FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
twitter.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in

www.focusnews.co.in
+focusnewsin

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। बुधवार 21 जनवरी 2026। तृतीया, माघ मास, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 13। अंक : 188

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की शिष्टाचार भेंट

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिल्ली की माननीया मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके निवास स्थान जनसेवा सदन में शिष्टाचार भेंट की।

सानिया ने भारतीय महिला खिलाड़ियों के लिए 'द नेक्स्ट सेट' लॉन्च किया

छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है।

चंद्रमा पर लौटने के प्रयासों के साथ अंतरिक्ष दौड़ जारी है: सुनीता विलियम्स

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा कि मौजूदा समय में "अंतरिक्ष दौड़" चल रही है, लेकिन प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि इंसान चंद्रमा पर वापस लौटे और यह "सार्थक, लोकतांत्रिक तरीके" से हो।

भगवान विष्णु और सुदर्शन चक्र

वैदिक समय से ही भगवान विष्णु संपूर्ण विश्व की सर्वोच्च शक्ति और नियन्ता के रूप में मान्य रहे हैं। पुराणों में भगवान विष्णु को विश्व का पालनहार कहा गया है।

लक्ष्य और जाह्नवी कपूर की लग जा गले

फिल्ममेकर करण जौहर ने साल 2022 में फिल्म 'लग जा गले' का अनाउंसमेंट बड़ी धूम धाम के साथ किया था। कहा जा रहा है कि अनाउंसमेंट के 3 साल बाद अब करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शन रिवेंज बेस्ड इस एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश देश का सिरमौर, जिधर देखेंगे वहां ऊर्जा मिलेगी: नरेंद्र सिंह तोमर

नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सिरमौर है और जिस तरफ भी नजर डालेंगे वहां के कण– कण से ऊर्जा प्राप्त होगी।

मकई में लाभ के लिए कुछ दिन प्रतीक्षा करना पड़ेगा

एमपी में मक्की की आवक इस समय घट गई है, क्योंकि अब वहां कच्ची मंडियों के व्यापारी माल रोकने लगे हैं। मंडियों में अक्टूबर की बरसात होने से बढ़िया मक्की नहीं मिल पा रही है।

नितिन नवीन ने भाजपा के १२वें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला मोदी ने कहा: आप मेरे बॉस

भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन ने युवाओं से राजनीति में आने का आग्रह किया

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, नितिन नवीन के मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के साथ पार्टी के एक नये अध्याय की शुरूआत हो गई। उन्होंने जे. पी. नड्डा की जगह ली है। नवीन ऐसे समय में भाजपा अध्यक्ष बने हैं जब वह देश की राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर रही है और पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है। इस अवसर पर यहां भाजपा मुख्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब वह एक कार्यकर्ता हैं और ''माननीय नितिन नवीन जी'' उनके 'बॉस' हैं। नवीन के नाम की औपचारिक घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री मोदी और अन्य वरिष्ठ नेता उन्हें पार्टी मुख्यालय स्थित उनके नये कार्यालय में ले गए, जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा और पार्टी महासचिव बी एल संतोष, प्रधानमंत्री मोदी के साथ उस समय मौजूद थे, जब नवीन ने अपनी नयी जिम्मेदारियों को संभाला। नवीन की पत्नी, बच्चे और (शेष पेज दो पर)

गुजरात ने भारत को गांधी, पटेल और मोदी के रूप में तीन महान शख्सियतें दीं : उपराष्ट्रपति

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने कहा कि गुजरात ने भारत को महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में तीन महान शख्सियतें दी हैं। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा होना जन्म से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से निर्धारित होता है।

एक बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति ने यहां ऐतिहासिक गांधी आश्रम में हरिजन सेवक संघ के दौरे के दौरान महादेव देसाई पुस्तकालय विस्तार का उद्घाटन किया और व्यक्ति व समाज के बीच पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अपने निर्माण में समाज की भूमिका को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, लेकिन हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह समाज को कुछ लौटाए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि समाज की सेवा करना न केवल एक नैतिक दायित्व है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी मार्ग है। राधाकृष्णन ने राष्ट्र के प्रति गुजरात के योगदान की सराहना की और उन तीन महान शख्सियतों के लिए आभार व्यक्त किया, जो गुजरात ने भारत को दिए हैं दृ महात्मा गांधी जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, सरदार वल्लभभाई पटेल जिन्होंने राष्ट्रीय एकता के लिए काम किया, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जिन्होंने देश के विकास के लिए योगदान दिया। बयान में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति ने आश्रम के भीतर स्थित कस्तूरबा संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी 1930 और 1940 के दशक में दिल्ली की अपनी यात्राओं के दौरान रुके थे। इस यात्रा को बेहद भावनात्मक बताते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि कस्तूरबा गांधी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला साधारण घर और रसोईघर समेत आश्रम के अन्य हिस्से देखना भारत के नेताओं द्वारा बिताए गए सादगीपूर्ण जीवन की सशक्त याद दिलाता है।

राहुल गांधी ने रायबरेली में क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

रायबरेली (उप्र), फोकस न्यूज, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में एक क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कांग्रेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नेता विपक्ष राहुल गांधी ने युवा खेल अकादमी द्वारा रायबरेली के राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस दौरान राहुल गांधी ने क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों और उनके खिलाड़ियों से भी मुलाकात की।'' इस बीच, रायबरेली जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनीष चौहान ने बताया कि जब राहुल गांधी मंच पर बैठे और खेल परिसर की हालत देखी,(शेष पेज दो पर)

अरुण सिंह ने नव निर्वाचित भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने पार्टी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री नितिन नवीन से मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है और नए नेतृत्व में पार्टी और अधिक सशक्त होकर आगे बढ़ेगी। अरुण सिंह ने अपने संदेश में कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऊर्जावान, कर्मठ और अनुभवी नेतृत्व में भाजपा परिवार का निरंतर विस्तार होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि (शेष पेज दो पर)

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 21 जनवरी से जयपुर दौरे पर

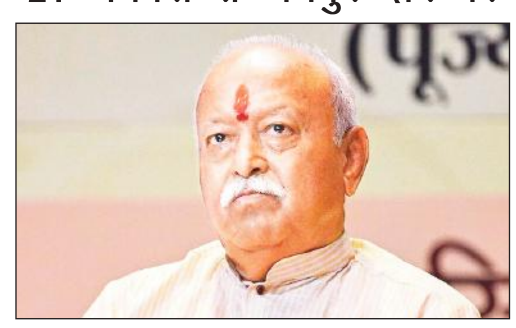

जयपुर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 21 जनवरी से जयपुर के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। संघ के एक पदाधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक रमेश अग्रवाल ने बताया कि भागवत 21 जनवरी को हवाई मार्ग से जयपुर पहुंचेंगे और वहां से किशनगढ़ जाएंगे, जहां वह रातभर ठहरेंगे। आरएसएस प्रमुख 22 जनवरी को छोटी खाटू में आयोजित 'मर्यादा महोत्सव' में भाग लेंगे। इस अवसर पर जैन संत आचार्य महाश्रमण भी उपस्थित रहेंगे। उसी दिन भागवत जयपुर लौटेंगे और रातभर वहीं ठहरेंगे। अग्रवाल ने बताया कि 23 जनवरी की सुबह वे हवाई मार्ग से प्रस्थान करेंगे।

सेहत के लिए हंसना ही नहीं, रोना भी जरूरी हो जाता है

जो बच्चा जन्मते ही नहीं रोये तो उसका बचना मुश्किल हो जाता है। उसको कैसे भी रूलाने का प्रयत्न करना पड़ता है। किसी प्रियजन की मृत्यु पर बेटा–पत्नी रोयें नहीं और गुमसुम होकर बैठ जायें तो सबको चिंता हो जाती है कि कहीं ये पागल नहीं हो जायें। शायद इसीलिए किसी की मृत्यु पर परिवार की महिलाएं जोर से रोती हैं ताकि रोकर दुख से अपने आपको हल्का महसूस कर लें।

आंसू को मत रोको:– सेहत के लिए रोना भी बहुत आवश्यक है। आंसुओं के बहने से हृदय की पीड़ा, गर्दन का अकड़ना और जुकाम दूर हो जाता है। आंसुओं को रोकना नहीं चाहिए। उनके द्वारा अनेक अशुद्ध पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाते हैं। आंसू एकत्र धूल कणों को हटाकर आंख को सुरक्षा प्रदान करते हैं। बच्चों को रोने से बाहरी प्राण वायु मिलती है। आंसू तनाव मुक्ति का सबसे आसान तरीका है। आंसुओं को रोकने से दिल और दिमाग बोझ से फटने लगते हैं।

महिलाओं की औसत आयु पुरूषों से अधिक होती है:– महिलाएं तनावग्रस्त कम रहती हैं–किसी भी तनाव की घड़ी में उनके आंसू निकल पड़ते हैं–इसीलिए महिलाओं को हृदयरोग भी कम होते हैं। रोने से संपूर्ण शरीर प्रभावित होता है। रोने के लिए कुछ पैसे भी खर्च नहीं होते। हंसने हंसाने के लिए बहुत से मनोरंजन का सहारा लेना पड़ता है। दिल का गुबार निकालने से मन हल्का होता है। कहते हैं–ये खुशी के आंसू हैं लेकिन आंसू खुशी में भी आते हैं तो फिर रोने में हिचकिचाहट कैसी? जब दुल्हन की विदाई होती है और बेटी भाई बहन मां से गले मिलती है तो सब रोने लगते हैं। विदाई का गीत भी बहुत रूलाने वाला होता है।

डॉक्टरों का डॉक्टर– सेब

परीक्षा का तनाव हो या मासिक धर्म की परेशानी, पेट की गड़बड़ी हो या दिमागी दुर्बलता, कैसा भी रोग हो, सेब तुरंत राहत का अचूक उपाय है। वास्तव में सेब प्रकृति प्रदत्त एक ऐसा अनोखा फल है जिसके नियमित सेवन से बीमारियों से सहज ही बचा जा सकता है। मालूम हो कि सेब में लौह एवं फास्फोरस अन्य फलों की अपेक्षा ज्यादा पाए जाते हैं इसलिए ये अत्यंत पोषक एवं शक्तिवर्धक भी है। आयरन जहां रक्त के निर्माण में अहम् भूमिका निभाता है, वही फास्फोरस पेट की भरपूर सफाई कर कब्ज जैसे अन्य उदर रोगों से निजात दिलाता है। यही नहीं, फ्रेंच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एण्ड मेडिकल रिसर्च के विज्ञानियों का कहना है कि सेब में प्रोकासियानिडिंस नामक एक ऐसा रसायन होता है जो कैंसर से बचाता है। लेबोरेटरी में पशुओं पर किए गए अध्ययन में विज्ञानियों ने पाया कि यह रसायन कैंसर के खतरे को कई गुना कम कर देता है। विज्ञानियों का कहना है कि इस रोग से बचाव हेतु नियमित छिलके सहित सेब का सेवन अनिवार्य है। अध्ययनकर्ता डॉ. फ्रांसिस राउल का कहना है कि दरअसल यह रसायन एक प्रकार का एंटी ऑक्सीडेंट का कार्य करता है, जो कैंसरकारक कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि को रोकता है। हेलसिंकी नेशनल पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट के पॉल नेक्ट के अनुसार सेब में फेनोलिक एसिड पाया जाता है। जो पुरुष एवं महिलाएं नियमित सेब खाते हैं, उनको रोज एक सेब न खाने वालों की अपेक्षा दिल का दौरा (शेष पेज दो पर)

बहुत उपयोगी है मेथी

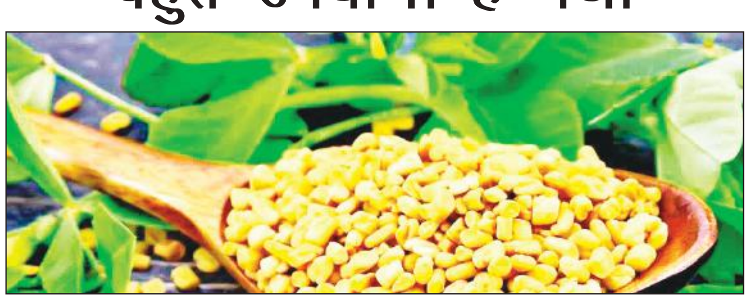

मेथी के नाम से सब वाकिफ हैं। मेथी के बीज मसाले के रूप प्रयोग में लाए जाते हैं और मेथी की पत्तियां सब्जी के रुप में खाई जाती है। स्वाद में तो मेथी कड़वी होती है। इसके बीज और पत्तियां दोनों में कड़वापन समाया होता है। कड़वी होने पर भी इसमें बहुत से औषधीय गुण छुपे हुए हैं। मेथी के पत्तों का साग कब्ज भी दूर करता है। जिगर संबंधी रोगों में पत्तों का रस निकालकर शहद के साथ बराबर मात्रा में लेने से लाभ होता है। बार बार पेशाब आने से परेशान रोगियों को उसके पत्तों का रस सुबह शाम पीना चाहिए। पत्तों के रस से मधुमेह रोगी का भी लाभ मिलता है। चोट लगने पर सूजन वाले स्थान पर पत्तों का (शेष पेज दो पर)

त्वचा की चमक के लिए पिएं जूस

हैल्दी रहने के लिए फलों के सेवन पर जोर दिया जाता है। ताजे मौसमी फल शरीर को भरपूर विटामिंस देते हैं और रेशा भी। जूस विटामिंस तो भरपूर देते हैं पर इसमें फाइबर की कमी होती है। बूढ़े, बच्चे और कमजोर लोगों को जूस पीने के लिए डाक्टर सलाह देते हैं, क्योंकि तुरंत एनर्जी की आवश्यकता होती है उन्हें। बूढ़े लोग बहुत से फल दांतों के कमजोर होने या बनावटी होने के कारण खा नहीं सकते। छोटे बच्चे भी फल नहीं खा सकते। त्वचा की चमक को बरकरार रखना चाहते हैं तो ताजे फलों का जूस आपको पूरा लाभ पहुंचाएगा। अगर आप अपनी त्वचा की टाइप समझते हैं तो उसके अनुरूप फलों का जूस लें तो लाभ पूरा उठा सकते हैं।

खुश्क और झुर्रियों वाली त्वचा के लिए : खुश्क त्वचा पर झुर्रियां जल्दी आती हैं। इस बारे में अधिकतर लोग जानते हैं। त्वचा की खुश्की को दूर करने के लिए पिएं गाजर का जूस। गाजर में विटामिन 'ए' की (शेष पेज दो पर)

नितिन नवीन.... (पेज एक का शेष) परिवार के अन्य करीबी सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी मुख्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने नवीन (45) को युवा ऊर्जा और संगठन में व्यापक अनुभव वाला एक ''मिलेनियल'' बताया, जो पार्टी के लिए बहुत मददगार साबित होगा। 'मिलेनियल' शब्द आमतौर पर ऐसे व्यक्ति के लिए उपयोग किया जाता है, जिसका जन्म 1980 की दशक की शुरूआत से लेकर 1990 के दशक के मध्य तक हुआ हो। अपने 40 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने बार–बार नवीन को ''माननीय'' कहकर संबोधित किया और पिछले 11 वर्षों में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया, जिसे उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को अपने काम का लेखा–जोखा देने के रूप में वर्णित किया। मोदी ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के काम का जिक्र करते हुए कहा, ''मैं भी एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में नये अध्यक्ष को अपने काम का हिसाब दे रहा हूं। मैंने अपना हिसाब दे दिया है। अब वह मेरी सीआर (कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट) लिखेंगे। मैं उनके मार्गदर्शन की प्रतीक्षा कर रहा हूं।'' मोदी ने कहा, ''जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब माननीय नितिन नवीन जी... मैं एक कार्यकर्ता हूं और आप मेरे बॉस हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनका हर शब्द हमें एक नयी दिशा देगा। उनका मार्गदर्शन एक अमूल्य धरोहर होगा जो हमारे भविष्य की कार्ययोजना तय करेगा।'' उन्होंने कहा, ''अब माननीय नितिन नवीन जी हम सभी के अध्यक्ष हैं और उनका दायित्व सिर्फ भाजपा को संभालना ही नहीं है बल्कि राजग के सभी साथियों के बीच तालमेल का दायित्व भी उन्हें संभालना है।'' नवीन ने अपने संबोधन में लोगों, खासकर युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके काम का उचित सम्मान मिलने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि भाजपा का ''निगरानी तंत्र'' इतना मजबूत है कि वह हर किसी के प्रयासों पर गौर करता है। उन्होंने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने, ''सनातन परंपराओं और आस्था'' की रक्षा करने और देश को जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से बचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं से सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने का आह्वान किया था। मैं देश के युवाओं से कहना चाहता हूं कि राजनीति से दूर रहना समाधान नहीं, बल्कि सक्रिय योगदान देना ही समाधान है।'' नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए युवाओं को आगे आकर ''सकारात्मक राजनीति'' में भाग लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''मैं युवाओं को यह भी बताना चाहूंगा कि राजनीति में कोई शॉर्टकट नहीं है। राजनीति सौ मीटर की दौड़ नहीं बल्कि मैराथन है, जहां गति नहीं बल्कि सहनशक्ति की परीक्षा होती है। आगे आइए और अपनी जड़ों को मजबूत रखते हुए इस राजनीतिक मैदान पर काम कीजिए।'' नड्डा ने नवीन को भाजपा का ''युवा, ऊर्जावान और प्रतिभाशाली कार्यकर्ता'' बताते हुए कहा कि उनके पास पार्टी के लिए विभिन्न पदों पर काम करने और बिहार में राजग सरकार में मंत्री के रूप में कार्य करने का व्यापक संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है। नड्डा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''इतनी कम उम्र में वह पांच बार विधायक रहे हैं। उन्होंने बिहार सरकार में मंत्री के रूप में भी कार्य किया है।'' उन्होंने कहा, ''युवा मोर्चा में रहने के दौरान उन्होंने पूरे देश का दौरा किया और उसे समझा। वह सिक्किम में पार्टी के प्रभारी थे। छत्तीसगढ़ में भाजपा को सत्ता में लाने में उनका बड़ा योगदान रहा।'' भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष ने कहा कि नवीन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पार्टी को ''तेजी से'' आगे ले जाएंगे। नड्डा ने भाजपा अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मिले समर्थन के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, समय निकालकर उनका मार्गदर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''आज का दिन एक ऐतिहासिक अवसर है, जब हमारे युवा, ऊर्जावान और प्रतिभाशाली नितिन नवीन विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण कर रहे हैं। मैं अपनी ओर से और करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं।'' भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और नवीन को चुने जाने का प्रमाण पत्र सौंपा, जो पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा व्यक्ति हैं। नवीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी और उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था। नवीन ने पिछले साल 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बिहार सरकार में कानून और न्याय, शहरी विकास और आवास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। लक्ष्मण ने चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा, ''यह चुनाव दर्शाता है कि भाजपा में नेतृत्व वंशवादी विशेषाधिकार से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत और समर्पण से उभरता है।''

त्वचा की... (पेज एक का शेष) भरपूर मात्रा होती है जो त्वचा की खुश्की को दूर करती है और त्वचा पर झुर्रियां भी नहीं पड़ती। गाजर में एंटी–ऑक्सीडेंटस होने के कारण त्वचा की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान होती है और उम्र के साथ त्वचा में बढ़ते पिग्मेंटेशन को रोकने में भी कारगर है। खुश्क त्वचा के लिए विटामिन 'ए' बेहद जरूरी है।

नाजुक त्वचा के लिए : जिन लोगों की त्वचा बहुत नाजुक होती है जो न अधिक सर्दी, न अधिक गर्मी बर्दाश्त कर पाती है, उन्हें लेमन जूस शहद के साथ लेना चाहिए। इससे लिवर की डिटॉक्सीफाई होता है और त्वचा पर चमक बनी रहती है।

प्रातः एक गिलास कुनकुने पानी में आधा या एक नींबू का रस एक चम्मच शहद मिलाकर नियमित पिएं। इससे आपका रंग भी साफ होगा। आप चाहें तो लेमन जूस में शहद मिलाकर चेहरे की त्वचा पर भी लगा सकते हैं और 15 से 20 मिनट बाद चेहरा धो लें। त्वचा में चमक बनी रहेगी।

तैलीय त्वचा के लिए: त्वचा तैलीय है तो एक्ने होंगे ही। तैलीय त्वचा के लिए टमाटर का जूस पीना लाभप्रद है।

टमाटर का जूस एक्ने को खत्म कर देगा और अल्ट्रा वायलेट रेंज से भी त्वचा को सुरक्षित रखेगा। टमाटर में लाइकोपीन होने के कारण शरीर की सफाई भी हो जाती है। अगर अंदरूनी रूप से शरीर साफ रहेगा तो त्वचा में चमक बरकरार रहेगी।

दाग धब्बे वाली त्वचा के लिए: त्वचा अगर साधारण या थोड़ी ड्राई है पर उस पर दाग धब्बे होने से आप परेशान हैं तो खीरे का जूस बहुत लाभप्रद है।

गर्मियों में खीरे का जूस कूल भी रखता है और त्वचा में जल की कमी पर नियंत्राण भी रखता है। खीरे के जूस के साथ एलोवेरा का जूस भी फायदेमंद है।

एलोवेरा में तो बहुत से औषधीय गुण भी होते हैं। एलोवेरा के जूस से भी त्वचा में प्राकृतिक नमी बनी रहती है और त्वचा सेल्स की टूट फूट की मरम्मत भी होती रहती है।

बहुत उपयोगी... (पेज एक का शेष) पुलटिस बनाकर गर्म गर्म सिंकाई करने से सूजन दूर होती है। मधुमेह के रोगियों को प्रतिदिन 20–25 दाने मेथी खाना चाहिए। उससे रक्त में होने वाली शुगर कम होती है।

मेथी दानों का पाक, प्रसूता स्त्री को देने से भूख लगती है और गर्भाशय की शुद्धि होती है।

वायु के जोड़ों के दर्द में मेथी दानों को पीसकर गुड़ के साथ उसे पका कर खाने से दर्द दूर होता है और कमर और घुटने के दर्द में राहत मिलती है। मेथीदाने के 3 ग्राम चूर्ण को पानी के साथ लेने से कमर और घुटने के दर्द में राहत मिलती है।

छाती के पुराने रोग से छुटकारा पाने के लिए बीजों का काढ़ा बनाकर शहद मिलाकर पीने से लाभ होता है।

मेथी का सेवन किसी भी रूप में किया जाए तो स्वास्थ्य को लाभ प्राप्त होता है।

अरुण सिंह... (पेज एक का शेष) संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करते हुए विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा का कार्य आगे बढ़ाया जाएगा। मुलाकात के दौरान संगठनात्मक विषयों और भविष्य की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई। पार्टी नेताओं ने आशा व्यक्त की कि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा देशभर में अपनी जनसेवा और विकास की प्रतिबद्धता को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

राहुल गांधी... (पेज एक का शेष) तो उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों– सुनील सिंह भदौरिया, डॉ. मनीष चौहान और विकास सिंह से जिले में खेलों की स्थिति के बारे में पूछा। चौहान के मुताबिक कांग्रेस सांसद को बताया गया कि इलाके में खेल का कोई मैदान नहीं है, जिससे खिलाड़ियों को काफी दिक्कतें होती हैं। इसके बाद, राहुल गांधी ने मंच से ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला से फोन पर बात की। चौहान ने बताया कि राहुल ने वहां एक क्रिकेट अकादमी बनाने का अनुरोध किया।

यह प्रतियोगिता रायबरेली में आईटीआई परिसर में स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में हो रही है। इससे पहले, राहुल गांधी ने भुएमऊ अतिथि गृह में पार्टी पदाधिकारियों और एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे।

पिछले साल, गांधी ने 10 और 11 सितंबर को अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया था। इस दौरे के दौरान, उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और 'दिशा' बैठक की अध्यक्षता की थी।

डॉक्टरों का... (पेज एक का शेष) पड़ने की संभावना कम रहती है।

– मेडिकल जांचों से साबित हुआ है कि प्रतिदिन एक कप सेब के रस का सेवन न केवल नींद की बीमारी को दूर करता है बल्कि दिन की शुरूआत को स्वस्थ एवं प्रभावशाली भी बनाता है। – सेब में अल्प मात्रा में 'पेक्टिन'नामक एक घुलनशील रेशेदार तत्व भी पाया जाता है। यह रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित रखता है।

– सेब का रस हृदय को शक्ति प्रदान करता है। नेत्रा–ज्योति को बढ़ाता है। यह शरीर के विजातीय तत्वों को बाहर निकालने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

– यदि आपको माइग्रेन (आधा सीसी) है तो 21 दिन तक सेब को स्वादानुसार नमक के साथ खाने से लाभ होता है।

– सेब का सेवन सदैव भोजन से पहले ही करना चाहिए। इससे कब्ज का खात्मा होता है। दिमाग को तरावट भी मिलती है। भोजन के बाद सेब का सेवन कब्जकारक बताया गया है।

सेब में मौजूद इतने सारे रोग– निवारक गुणों के कारण ही इसे डॉक्टरों का डॉक्टर कहना अतिशयोक्ति न होगी। वास्तव में इसके नियमित सेवन से आप लम्बे समय तक स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं।

भारत दौरे पर आईं सुनीता विलियम्स ने दिल्ली में कल्पना चावला की मां और बहन से मुलाकात की

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत यात्रा पर आईं वरिष्ठ अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत कल्पना चावला की 90 वर्षीय मां से दिल्ली में मंगलवार को मुलाकात की। दोनों के बीच यह मुलाकात बेहद भावुक और गर्मजोशी से भरी रही। दोनों ने एक–दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी। दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया। विलियम्स (60) ने मंगलवार को दिल्ली स्थित 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' नामक एक संवाद सत्र में भाग लिया। लगभग एक घंटे के इस कार्यक्रम के समाप्त होते ही विलियम्स मंच से नीचे उतरीं और सभागार में पहली पंक्ति में बैठी चावला की मां संयोगिता चावला की ओर बढ़ीं तथा उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। विलियम्स इस दौरान अपने चिरपरिचित अंतरिक्ष यात्री के लिबास में थीं। दोनों की मुलाकात ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया और विलियम्स ने जाने से पहले संपर्क में बने रहने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कल्पना चावला की बहन दीपा से भी मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आई थीं। विलियम्स वर्तमान में भारत यात्रा पर हैं। वह 22 जनवरी से शुरू होने वाले केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) के नौवें संस्करण में भाग लेने वाली हैं। आयोजकों ने दिसंबर के अंत में इसकी घोषणा की थी। अमेरिकी नौसेना की पूर्व कप्तान विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनियाई थीं। अपने प्रारंभिक संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि भारत आने पर घर वापसी जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। बाद में चावला की मां ने कार्यक्रम के दौरान 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा, ''वह (विलियम्स) परिवार के सदस्य की तरह हैं।'' चावला की मां ने कहा कि कोलंबिया हादसे के बाद ''वह तीन महीने तक हमारे घर आती रहीं'', नियमित रूप से सुबह से रात तक रुकती थीं और ''शोक में डूबे हमारे परिवार'' को सांत्वना देती थीं।

दिल्ली कैबिनेट ने होली पर कमज़ोर वर्ग की महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर देने का प्रस्ताव मंजूर किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्योहार के अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करा सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आज सुबह हुई बैठक में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। होली और दीपावली के मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराना, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा था। सूत्रों के अनुसार, राशन कार्ड रखने वाली ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को होली और दीपावली के दौरान रसोई गैस सिलेंडर मुफ्त उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना पर लगभग 300 करोड़ रुपये का खर्च होने की उम्मीद है।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिल्ली की माननीया मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके निवास स्थान जनसेवा सदन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक संवाद हुआ। भेंट के अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों ने केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच समन्वय, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आपसी सहयोग से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विचार–विमर्श किया। बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा और साझा हितों से जुड़े विषयों पर सकारात्मक सहमति बनी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि राज्यों के बीच सहयोग और संवाद से विकास की गति को और तेज किया जा सकता है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी आपसी समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह शिष्टाचार भेंट संघीय ढांचे के तहत सहयोगात्मक राजनीति और विकासोन्मुख सोच का परिचायक मानी जा रही है।

नितिन नवीन के नेतृत्व में भाजपा एक अजेय शक्ति के रूप में उभरेगी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, फोकस न्यूज, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नितिन नवीन को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर मंगलवार को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी नवीन के नेतृत्व में एक "अजेय शक्ति" के रूप में उभरेगी। साय ने नयी दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में नवनिर्वाचित भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। साय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नवीन जी के नेतृत्व में भाजपा बनेगी अजेय शक्ति! नयी दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री नितिन नवीन जी से आत्मीय भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दी। उनका सशक्त संगठनात्मक अनुभव, वैचारिक दृढ़ता और कार्यकर्ताओं से गहरा जुड़ाव भाजपा को नयी ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करेगा। उनके नेतृत्व में राष्ट्रसेवा, सुशासन और विकसित भारत का संकल्प और अधिक मजबूत होगा।" उन्होंने कहा, "प्रभु श्रीराम जी के आशीर्वाद से भाजपा का यह नवयुग राष्ट्र निर्माण की नयी गाथा रचे यही मंगलकामना है।"

हिमाचल प्रदेशः मुख्यमंत्री ने एनएसयूआई के नशामुक्त परिसर अभियान का उद्घाटन किया

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को यहां कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई की मंडी इकाई के 'नशा मुक्त परिसर' अभियान का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्कूल और कॉलेज परिसरों में नशीले पदार्थों, विशेष रूप से 'चिट्टा' के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। इस अवसर पर सुक्खू ने कहा कि यह अभियान राज्य सरकार के नशामुक्त हिमाचल प्रदेश के दृष्टिकोण को मजबूत करता है तथा 'चिट्टा' सहित मादक पदार्थों के के खिलाफ चल रहे अभियान को और गति प्रदान करता है। उन्होंने इस पहल की सराहना की और कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने तथा उन्हें खेलकूद एं अन्य सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से ऐसे अभियान बहुत महत्वपूर्ण हैं। कांग्रेस से संबद्ध छात्र संगठन की जिला इकाई के अध्यक्ष, अनित जसवाल ने कहा कि यह अभियान मुख्यमंत्री के चिट्टा विरोधी अभियान से प्रेरित है और इसका उद्देश्य स्कूल और कॉलेज परिसरों को नशीली दवाओं से मुक्त बनाना है। जसवाल ने कहा कि इस अभियान में जागरूकता कार्यक्रम, नशा–विरोधी प्रतिज्ञाएं, चिट्टा–विरोधी पदयात्राएं और खेल टूर्नामेंट शामिल होंगे। उन्होंने कहा, "यह अभियान 23 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा, जिसमें कार्यक्रम पहले स्कूल स्तर पर और बाद में कॉलेज स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।" चिट्टा का तात्पर्य सफेद पाउडर वाले मादक पदार्थ से है।

केंद्र से की गई कटौती के कारण केरल वित्तीय दबाव में है: राज्यपाल का अभिभाषण

तिरुवनंतपुरम, (भाषा) केरल विधानसभा के मंगलवार को शुरू हुए बजट सत्र में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने वामपंथी सरकार का नीतिगत दस्तावेज पढ़ा, जिसमें दावा किया गया कि केंद्र सरकार की प्रतिकूल नीतियों के कारण राज्य 'गंभीर वित्तीय दबाव' में है। नीतिगत संबोधन में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विषयों में हस्तक्षेप करने, सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण और राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को लंबे समय तक लंबित रखने की भी आलोचना की गई। आर्लेकर ने कहा कि केरल की सामाजिक और संस्थागत उपलब्धियों के बावजूद, राज्य को केंद्र सरकार के प्रतिकूल कदमों के कारण गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। नीति दस्तावेज में उल्लिखित ''प्रतिकूल कार्रवाइयों" में वित्तीय वर्ष 2025–26 की अंतिम तिमाही में राज्य को प्राप्त होने वाले 12,000 करोड़ रुपये की राशि को "बिना किसी उचित कारण के" आधा करना शामिल है। राज्यपाल ने नीतिगत दस्तावेज पढ़ते हुए कहा, "केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत केरल को भारत सरकार से सितंबर 2025 तक मिलने वाली बकाया राशि 5,650.45 करोड़ रुपये है। इसमें पिछले वित्तीय वर्षों का बकाया भी शामिल है। इन कटौतियों ने वित्तीय वर्ष के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर राज्य की वित्तीय स्थिति पर भारी दबाव डाला है।" दस्तावेज में कहा गया कि अन्य चुनौतियों में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह लेने वाला नया कानून विकसित भारत–गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी–जीराम जी) भी शामिल है जिसके तहत केंद्र का योगदान 100 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है। इसमें कहा गया कि हाल में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) का सुधार, जिससे अनुमानित राजस्व में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी हुई; और अमेरिका की पारस्परिक शुल्क नीतियों का राज्य के निर्यात–उन्मुख सेक्टर पर प्रभाव पड़ा है। नीतिगत संबोधन में आर्लेकर ने कहा कि राज्य की ऋण लेने की सीमा पर प्रतिबंध और एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर में समायोजन के कारण उसे 17,000 करोड़ रुपये से वंचित रहना पड़ा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि 'सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पद्धति' के कारण इसे 4,250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त 'नुकसान' हुआ है, जो 15वें वित्त आयोग की स्वीकृत सिफारिशों से भिन्न है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल सिन्हा ने श्रीनगर में पुनर्निर्मित अमीरा कदल पैदल पुल का उद्घाटन किया

श्रीनगर, (भाषा) जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को यहां पुनर्विकसित अमीरा कदल पैदल पुल का उद्घाटन किया और कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य शहर की विरासत को आधुनिक सुविधाओं के साथ जोड़कर एक जीवंत स्थान तैयार करना है। पुनर्निर्मित पैदल यात्री पुल का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से सिन्हा ने कहा कि श्रीनगर स्मार्ट सिटी के तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य शहर के पारंपरिक स्वरूप को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत करके सांस्कृतिक और जीवंत सार्वजनिक स्थान बनाना है। उपराज्यपाल ने कहा, "यह एक पुराना पुल है, जिसका पुनर्निर्माण 2023 में शुरू हुआ था। आज इसे श्रीनगर के निवासियों को समर्पित किया गया है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत प्राचीन विरासत और आधुनिक सुविधाओं को जोड़ने का ध्यान रखा गया है, ताकि श्रीनगर शहर में अच्छे सांस्कृतिक और जीवंत स्थान बनाए जा सकें।" अधिकारियों ने कहा कि लकड़ी का यह पैदल पुल झेलम नदी के पार पैदल यात्रियों की आवाजाही को काफी हद तक सुगम बनाने के साथ–साथ अमीरा कदल क्षेत्र के ऐतिहासिक स्वरूप को भी संरक्षित करने में सहायक होगा।

दिल्ली में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एकीकृत आपातकालीन हेल्पलाइन 112 शुरू की जाएगी : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के निवासी अब कई नंबरों पर फोन करने के बदले एकीकृत हेल्पलाइन 112 डायल कर कई आपातकालीन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एकल आपातकालीन नंबर की घोषणा करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय ने '112' को राष्ट्रीय आपातकालीन नंबर घोषित किया है और इसी के अनुरूप दिल्ली सरकार इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आपात स्थिति की प्रकृति के आधार पर, 112 डायल कर पुलिस, अग्निशमन सेवा, एम्बुलेंस और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को एक साथ सूचित किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''सहायता सिर्फ फोन के माध्यम से ही नहीं बल्कि मोबाइल ऐप, आपातकालीन बटन, एसएमएस और ऑनलाइन मंच के जरिए भी प्राप्त की जा सकती है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि यदि कोई नागरिक बोलने में असमर्थ है, तब भी वह आसानी से संकट संबंधी संकेत भेज सकता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे ही कोई कॉल या आपातकालीन सूचना प्राप्त होती है, सिस्टम स्वचालित रूप से फोन करने वाले के 'लोकेशन' का पता लगा लेता है, ताकि पीड़ित को अपना स्थान बताने की आवश्यकता नहीं रहती। लोकेशन का पता चलते ही, निकटतम नियंत्रण कक्ष से पुलिस वाहन, एम्बुलेंस या अग्निशमन वाहन तुरंत भेजा जाता है।

राहुल ने लेखिका लीलावती को प्रदान किया प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार

कोच्चि, (भाषा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को यहां अनुभवी लेखिका, शिक्षाविद् और साहित्य आलोचक एम लीलावती को 'प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार' प्रदान किया। लीलावती को उनके साहित्यिक कार्यों के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं। राहुल गांधी ने इस अवसर पर कहा कि 98 वर्षीय लीलावती न केवल केरल बल्कि पूरे देश के लिए एक आदर्श हैं। उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में प्रेरणादायक है कि वह सुबह तीन बजे उठती है, इस उम्र में लिखती–पढ़ती है।" उनका कहना था, "पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो सोचते कुछ हैं और मानते कुछ हैं, लेकिन कहने का साहस नहीं रखते। महान राष्ट्र खामोशी से नहीं बनते। वे अपनी राय व्यक्त करने से बनते हैं।" राहुल गांधी ने कहा कि कई महान हस्तियों की तरह, लीलावती सरल और विनम्र हैं। उन्होंने कहा, "मैं उनमें केरल की भावना देख सकता हूं। वह सब कुछ अकेले करती हैं और उन्हें किसी की मदद की जरूरत नहीं पड़ती।" पुरस्कार स्वीकार करते हुए लीलावती ने कांग्रेस नेता को धन्यवाद दिया। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता के बारे में बात की और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद करते हुए कहा कि वह उनके साहस और व्यक्तित्व की प्रशंसा करती हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी याद किया और कहा कि उनके गुण राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को विरासत में मिले हैं। लीलावती ने कहा कि उन्हें खुशी है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दोनों ने केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है।

विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान सभ्यता की पहचान है : दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

नयी दिल्ली, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय ने मंगलवार को कहा कि विवादों का सौहार्दपूर्ण निपटारा सभ्यता की पहचान है और विवाद समाधान की एक विधि के रूप में मध्यस्थता प्राचीन भारत में भी मौजूद थी। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र की शुरुआत और समाधान के इस वर्ष का कैलेंडर जारी करने के अवसर पर न्यायमूर्ति उपाध्याय ने कहा कि मध्यस्थता मुकदमेबाजी की तुलना में तेज, सस्ती और लचीली है और देश एक मजबूत व संहिताबद्ध प्रणाली की ओर बढ़ रहा है जहां मध्यस्थता अदालत के बाहर विवादों को सुलझाने का एक पसंदीदा मार्ग है। उन्होंने कहा, "विवादों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा करना सभ्यता की पहचान है। प्राचीन भारत में मध्यस्थता प्रणाली किसी न किसी रूप में प्रचलित थी।

ओडिशा की चिल्का झील में डॉल्फिन की गणना शुरू

ब्रह्ममपुर, (भाषा) ओडिशा की चिल्का झील में डॉल्फिन की तीन दिवसीय वार्षिक गणना मंगलवार को शुरू हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह झील एशिया में खारे पानी की सबसे बड़ी झील है। चिल्का वन्यजीव प्रभाग ने चिल्का विकास प्राधिकरण (सीडीए) के सहयोग से यह गणना कवायद शुरू की है। इसमें विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त वन अधिकारी, वन्यजीव कार्यकर्ता और वन कर्मचारियों समेत 100 से अधिक लोग शामिल हैं। मंडल वन अधिकारी अमलान नायक ने कहा, ''1,165 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली झील में गणना के लिए 18 टीम बनाई गई हैं। प्रत्येक टीम में पांच से छह सदस्य हैं। सातपदा में आठ टीम तैनात हैं जबकि बालूगांव क्षेत्र में 10 टीम कार्यरत हैं।'' उन्होंने कहा कि मौसम अनुकूल होने के कारण अधिकतर टीम ने सुबह छह बजे से काम शुरू कर दिया और यह अपराह्न 12 बजे तक जारी रहा। अधिकारियों के अनुसार, डॉल्फिन की गणना में 'लाइन–ट्रांसेक्ट' विधि का पालन किया जा रहा है। ये टीम ड्रोन कैमरा, जीपीएस उपकरण, रेंज फाइंडर, दूरबीन, कैमरा और गहराई मापने वाले उपकरणों से लैस हैं। सोमवार को बरकुल के पास चंद्रपुर और सातपदा में इन्हें इस कवायद का प्रशिक्षण भी दिया गया। मंडल वन अधिकारी ने कहा कि गणना के दौरान बाधा से बचने के लिए बृहस्पतिवार सुबह तक झील में पर्यटकों के लिए नौका सेवाएं निलंबित रहेंगी। चिल्का झील गंजाम, खुर्दा और पुरी जिलों में फैली है तथा यह देश के सबसे बड़े जलपक्षी आवास के रूप में जानी जाती है। झील में डॉल्फिन की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। 2025 की गणना के अनुसार, यहां 174 डॉल्फिन थीं, जिनमें 159 इरावदी डॉल्फिन और 15 बॉटलनोज शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि चिल्का के अलावा राज्य के अन्य तटीय हिस्सों में भी डॉल्फिन गणना की जा रही है। ब्रह्मपुर वन विभाग में 54 किलोमीटर लंबे समुद्री तट को चार हिस्सों में बांटा गया है। डॉल्फिन की गिनती के लिए हर हिस्से में कम से कम तीन लोगों की ड्यूटी लगाई गई है।

दिल्ली सरकार को बेंचमार्क दिव्यांगजनों से संबंधित योजना के तहत 1000 से ज्यादा आवेदन मिले

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली सरकार को 'बेंचमार्क दिव्यांगता' से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल करने वाले लोगों को छह हजार रुपये की वित्तीय सहायता देने वाली योजना के तहत एक हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत, दैनिक गतिविधियों के लिए गहन सहायता की आवश्यकता वाले दिव्यांजनों की देखभाल करने वाले व्यक्तियों को प्रति माह छह हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। यह रकम अन्य दिव्यांग कल्याण कार्यक्रमों के तहत प्रदान की जाने वाली किसी भी मौजूदा सहायता के अतिरिक्त होगी। एक अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "विभाग को अब तक लगभग 1200 आवेदन प्राप्त हुए हैं और योजना में निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार इनका सत्यापन किया जा रहा है।" उन्होंने बताया कि आवेदकों का सत्यापन चल रहा है और पात्र पाए जाने पर उन्हें वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी।

अखिल भारतीय बार परीक्षा में एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्र शामिल हो सकते हैं : बीसीआई

नयी दिल्ली, (भाषा) बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कानून के अंतिम वर्ष के छात्रों के अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) में शामिल होने के लिए नियम तैयार किये हैं और यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। एआईबीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। विधि स्नातकों के वकालत करने के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के वास्ते इसमें शामिल होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ 2024 में दायर एक रिट याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को एआईबीई में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। पीठ ने इस मामले पर दलीलें दर्ज कीं और याचिका का निस्तारण कर दिया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के वकील ने दलील दी, ''एआईबीई परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाएगी और एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने पर ही इस परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।' वकील ने कहा कि इस संबंध में बीसीआई नियम, 2026 तैयार कर लिए गए हैं। वर्ष 2024 में, अदालत ने अंतरिम आदेश पारित कर अंतिम वर्ष के छात्रों को उस वर्ष आयोजित एआईबीई परीक्षा में बैठने की अनुमति दी थी। इससे एक साल पहले, उच्चतम न्यायालय ने बीसीआई को इस संबंध में नियम बनाने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने 20 सितंबर 2024 को, अंतिम वर्ष के छात्रों को एक बड़ी राहत देते हुए बीसीआई को निर्देश दिया था कि उन्हें एआईबीई परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए। शीर्ष अदालत ने कहा था कि एलएलबी के अंतिम वर्ष के छात्रों को ''अधर में नहीं छोड़ा जा सकता।'' न्यायालय ने कहा था कि यदि उन्हें उस वर्ष 'बार' परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाती है तो उनका एक साल बर्बाद हो जाएगा।

नीति आयोग की महिला सुरक्षा योजनाओं पर रिपोर्ट सार्वजनिक होनी चाहिएः सीआईसी

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय सूचना आयोग ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित महिला सुरक्षा योजनाओं पर नीति आयोग द्वारा तैयार की गईं तृतीय–पक्ष मूल्यांकन रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। सीआईसी ने कहा कि इस तरह की योजनाओं के कार्यान्वयन, दक्षता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने वाली ये रिपोर्ट संस्थागत रूप से स्वतंत्र एवं साक्ष्य–आधारित आकलन हैं जिनका उद्देश्य नीति सुधार और बेहतर शासन है। इसने कहा कि ये ''भारत सरकार द्वारा गठित सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का स्वतंत्र एवं वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन'' हैं। हाल में एक आदेश में, सूचना आयुक्त पी आर रमेश ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित महिला सुरक्षा योजनाओं, जिनमें 'वन–स्टॉप सेंटर' और महिला हेल्पलाइन योजनाएं शामिल हैं, और नीति आयोग द्वारा उनके मूल्यांकन से संबंधित रिकॉर्ड मांगने वाले एक आरटीआई आवेदन पर कार्रवाई की। सीआईसी ने मंत्रालय के इस रुख का समर्थन करते हुए कि आंतरिक फाइल नोटिंग के लगभग 1,870 पृष्ठों की आपूर्ति से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत ''सार्वजनिक प्राधिकरण के संसाधनों का दुरुपयोग'' होगा, मूल्यांकन रिपोर्ट के सक्रिय प्रकटीकरण पर टिप्पणियां कीं। आदेश में कहा गया कि ''पारदर्शिता और जन–जागरूकता के हित में, तीसरे पक्ष की मूल्यांकन रिपोर्ट, विशेष रूप से सार्वजनिक कोष से वित्तपोषित महिला सुरक्षा और कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन एवं प्रभावशीलता का आकलन करने वाली रिपोर्ट, सार्वजनिक की जाएं''। मंत्रालय से जुड़े एक संबंधित मामले में, सीआईसी ने आरटीआई अधिनियम के तहत स्वतः प्रकटीकरण के महत्व को भी दोहराया। आदेश में कहा गया, ''सार्वजनिक प्राधिकरण को सलाह दी जाती है कि वह अपनी वेबसाइट पर सफल बोलीदाता (कंपनी का नाम), अनुबंध की राशि, अनुबंध के पूरा होने की तिथि, कार्यक्षेत्र, समय–समय पर पूर्ण किए गए कार्य के प्रतिशत आदि के बारे में अधिकतम जानकारी स्वतः ही सार्वजनिक करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।''

दिल्ली का एक्यूआई सुधार के बाद 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंचा, ग्रैप–4 के प्रतिबंध हटाए गए

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की वायु गुणवत्ता में मंगलवार को मामूली सुधार देखने को मिला और 24 घंटे का औसत एक्यूआई लगातार तीन दिनों तक 400 से ऊपर रहने के बाद "बहुत खराब" श्रेणी में आ गया। इसके बाद अधिकारियों ने ग्रैप–4 को प्रतिबंधों को वापस ले लिया, जबकि अन्य प्रतिबंधों वैसे ही लागू हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 378 रहा। शाम तक, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार, 29 स्टेशन पर वायु गुणवत्ता "बहुत खराब", पांच पर "गंभीर" और चार पर "खराब" दर्ज की गई, जिसमें वजीरपुर में एक्यूआई 414 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। राजधानी में लगातार तीन दिनों से जारी "गंभीर" वायु प्रदूषण का दौर मंगलवार सुबह समाप्त हो गया, जब औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 395 दर्ज किया गया। सुधार के बावजूद, कई निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर उच्च बना रहा। स्थिति में सुधार को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली–एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। हालांकि, आयोग ने एक आदेश में कहा है कि संशोधित ग्रैप के पहले, दूसरे और तीसरे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंध लागू रहेंगे। आदेश में कहा गया है, "ग्रैप के चौथे चरण को वापस लिया जा रहा है, लेकिन सर्दियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए, जब मौसम की स्थिति हमेशा अनुकूल नहीं हो सकती है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि एक्यूआई का स्तर और अधिक न गिरे, नागरिकों से अनुरोध है कि वे ग्रैप चरण–एक, दो और तीन के तहत नागरिक चार्टर का सख्ती से पालन करें।" दिल्ली में शनिवार, रविवार और सोमवार को लगातार तीन दिनों तक "गंभीर" वायु प्रदूषण रहा, जिसमें एक्यूआई 400 के पार चला गया, जिसके चलते ग्रैप के चौथे चरण के प्रतिबंध लागू किए गए। वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली के अनुसार, बुधवार से शुक्रवार तक वायु गुणवत्ता "बहुत खराब" श्रेणी में रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान सामान्य से 6.1 डिग्री अधिक 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.4 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए न्यूनतम तापमान लगभग सात डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान जताया है, साथ ही मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार से शनिवार के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

कोको गॉफ, अनिसिमोवा और मेदवेदेव दूसरे दौर में

मेलबर्न, (एपी) तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेदवेदेव के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6–2, 6–3 से पराजित किया। गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा। दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था। महिला वर्ग के अन्य महत्वपूर्ण मैचों में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी और पिछले दो ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6–3, 6–2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया ज़खारोवा को 6–2, 6–1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6–3, 6–3 से हराया। इस बीच 27वीं वरीयता प्राप्त और 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से 6–3, 6–2 से हार गईं। स्टर्न्स का अगला मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्किको से होगा। एम्मा नवारो भी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेटों में हार गईं। पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3–6, 6–4, 6–4 से आगे चल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7–5, 6–2, 7–6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था। अमेरिका के 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने हमवतन अलेक्जेंडर कोवासेविच को 6–4, 6–3, 6–3 से हराकर रेली ओपेल्का और 13वीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त स्थानीय खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर ने मैकेन्ज़ी मैकडोनाल्ड को 6–2, 6–2, 6–3 से हराया।

सेनेगल ने मोरक्को को हराकर अफ्रीका कप जीता

रबात (मोरक्को), (एपी) सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1–0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे। फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया। इसके बाद गुये ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में विजयी गोल दागा। मोरक्को की पराजय के कारण 69,500 दर्शकों की क्षमता वाला प्रिंस मौले अब्देललाह स्टेडियम अंतिम सीटी बजते ही खाली होने लग गया था। सेनेगल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी उठाते हुए देखने के लिए बहुत कम लोग बचे थे। सेनेगल ने दूसरी बार अफ्रीका कप जीता। इससे पहले वह 2021 में चैंपियन बना था।

भारतीय खिलाड़ियों की निगाह इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने पर

जकार्ता, (भाषा) भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले सप्ताह नयी दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को कड़ा ड्रॉ मिला है और उन्हें अपने से अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी होगी। पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जबकि एचएस प्रणय को मलेशिया के पूर्व विश्व नंबर दो और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचने वाले किदाम्बी श्रीकांत का मुकाबला जापान के कोकी वातानाबे से, जबकि थारुन मन्नेपल्ली का मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। आयुष शेट्टी को इंडोनेशिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त पीवी सिंधू जापान की मनामी सुइजू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। सिंधू को इंडिया ओपन के पहले दौर में ही वियतनाम की विश्व में नंबर 23 गुयेन थुई लिन्ह से हार का सामना करना पड़ा था। जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा का मुकाबला जापान की चौथी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी से होगा। उन्नति हुडा पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चेन युफेई का सामना करेगी जबकि मालविका बंसोड का मुकाबला कनाडा की छठी वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन चौथे क्वालीफाइंग राउंड में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

अमेलिया वाल्वेर्डे भारतीय सीनियर महिला टीम की कोच बनी

नयी दिल्ली, (भाषा) अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया । 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई है । भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप आस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही है । पंद्रह बरस पहले कोचिंग कैरियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रही । उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया । वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं । इससे पहले वह कोस्टा रिका सीनियर और अंडर 20 महिला टीमों की कोच रहीं । उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे ।

वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत, सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर

नागपुर, (भाषा) पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे श्रृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का–दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं। भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे श्रृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा। इस पृष्ठभूमि में केवल सूर्यकुमार ही ऐसे हैं, जिनकी खराब फॉर्म मजबूत टीम की कमजोर कड़ी साबित हुआ है। उन्होंने पिछले 19 मैचों में एक भी अर्धशतक लगाए बिना केवल 218 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 123 से अधिक रहा है। तिलक वर्मा को खेलने का अधिक समय देने के लिए उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में खुद को तीसरे नंबर के बजाय चौथे नंबर पर खिसका दिया। सूर्यकुमार अच्छी तरह से जानते हैं कि उनके खराब प्रदर्शन का ड्रेसिंग रूम में असर पड़ सकता है और उन्हें अब हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। किसी भी अन्य टीम में श्रेयस अय्यर जैसे काबिल खिलाड़ी को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में स्वतः ही जगह मिल जाती, क्योंकि उन्होंने तीन अलग–अलग फ्रेंचाइजी को आईपीएल फाइनल तक पहुंचाया है और एक बार जीत हासिल की है। भारतीय टीम में स्पिनरों के खिलाफ खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक अय्यर को तिलक वर्मा के चोटिल होने के कारण टीम में जगह मिली है। शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, जिसका मतलब है कि सूर्यकुमार चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे। कप्तान ने खुद मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी पुष्टि की। किशन एक ऐसा खिलाड़ी है जो शीर्ष क्रम में अधिक प्रभाव छोड़ सकता है क्योंकि वह पावर प्ले के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि अय्यर को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिल पाएगी। किशन विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए उनको अंतिम एकादश में रखना समझदारी भरा कदम होगा। अय्यर विश्व कप की टीम में शामिल नहीं हैं। टी20 श्रृंखला में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी वापसी होगी जीने जिन्हें वनडे श्रृंखला में विश्राम दिया गया था। पंड्या अपने कौशल से टी20 टीम में संतुलन लाते हैं और उनकी मौजूदगी का मतलब है कि टीम प्रबंधन एक अतिरिक्त विशेषज्ञ खिलाड़ी को खिलाने का जोखिम उठा सकता है। वरुण चक्रवर्ती टीम के तुरुप का इक्का होंगे, जिनके खिलाफ न्यूजीलैंड ने ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। वरुण के सातवें से 15वें ओवर के बीच के चार ओवर अक्सर मैच का रुख पलट देते हैं और कुलदीप यादव की खराब फॉर्म को देखते हुए तमिलनाडु के इस खिलाड़ी को और भी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत होगी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क टी20 श्रृंखला के लिए टीम में बने रहेंगे क्योंकि माइकल ब्रेसवेल और एडम मिल्ने दोनों ही हल्की चोटों से उबर रहे हैं। मैच शाम सात बजे शुरू होगा।

सानिया ने भारतीय महिला खिलाड़ियों के लिए 'द नेक्स्ट सेट' लॉन्च किया

हैदराबाद, (भाषा) छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है। सानिया ने खेल जगत को वापस कुछ देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है जिसमें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से एक समर्पित सहायता प्रणाली तक सहजता से पहुंच बनाना होगा जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट आदि शामिल होंगे जो पूरे सत्र में खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट में यात्रा कर सकते हैं ताकि पूरे सत्र में निरंतर तैयारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम के तहत सानिया की अकादमी में उनके नेतृत्व में विशेष टेनिस शिविर और कोचिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में प्रदर्शन के तकनीकी, रणनीतिक, शारीरिक और मानसिक पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा। सानिया ने कहा , '''द नेक्स्ट सेट' मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत है। मैंने अपने करियर के दौरान काफी उतार–चढ़ाव देखे हैं और मैं जानती हूं कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन से कितना बदलाव आ सकता है। भारतीय महिला टेनिस में अपार प्रतिभा है और सही मार्गदर्शन से उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।''

पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये दक्षिण अफ्रीका जायेगी भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग, (भाषा) क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय महिला टीम पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी20 श्रृंखला खेलने अप्रैल में यहां आयेगी । ये मैच 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में खेले जायेंगे ।पहला और दूसरा मैच डरबन में 17 और 19 अप्रैल को होगा । इसके बाद तीसरा और चौथा मैच जोहानिसबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को और आखिरी मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को खेला जायेगा । इंग्लैंड में 12 जून से होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व से पहले दक्षिण अफ्रीका टीम की यह आखिरी श्रृंखला होगी ।

ए प्लस श्रेणी को हटाकर केंद्रीय अनुबंध को सरल बनायेगा बीसीसीआई

नयी दिल्ली, (भाषा) बीसीसीआई खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाते हुए 2018 में शुरू की गई ए प्लस श्रेणी खत्म करने जा रहा है । मौजूदा नीति के तहत ए प्लस श्रेणी के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रूपये , ए श्रेणी वालों को पांच करोड़, बी श्रेणी वाले को तीन करोड़ और सी श्रेणी में एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं । वर्ष 2025 . 26 के लिये खिलाड़ियों को ए, बी और सी श्रेणी में रखा जायेगा । पिछले चक्र में सिर्फ चार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए प्लस श्रेणी में थे । इनमें से सिर्फ बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं । कोहली और रोहित सिर्फ वनडे खेलते हैं जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे खेलते हैं । केंद्रीय अनुबंध को शीर्ष परिषद की अगली बैठक में मंजूरी दी जायेगी । बोर्ड के एक अधिकारी ने हालांकि पीटीआई को बताया कि तीनों प्रारूपों में तेज आक्रमण की अगुवाई करने वाले बुमराह जैसे खिलाड़ी के पारिश्रमिक में कोई कटौती नहीं की जायेगी भले ही वह कार्यभार प्रबंधन के कारण कुछ मैचों से बाहर रहे हों । भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का ए श्रेणी में रहना तय है । रोहित और विराट चूंकि एक ही प्रारूप खेलते हैं तो बी श्रेणी में रहेंगे ।

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत पर गर्व है: मिचेल

इंदौर, (भाषा) न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दबाव में शांति के साथ फैसले लेने और एक दूसरे पर विश्वास करने के कारण मिली। न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में 41 रन से जीत दर्ज करके भारतीय धरती पर पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीती। भारत ने शतकवीर विराट कोहली और हर्षित राणा की अहम साझेदारी के दम पर 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया। मिचेल ने स्वीकार किया कि तब उनकी टीम दबाव में थी लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की जिन्होंने संयम बनाए रखा। तीसरे मैच में 137 रन बनाने वाले मिचेल ने कहा, ''उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी निभाई और तब इस मैदान की प्रकृति, विकेट और छोटे आकार के कारण हम पर काफी दबाव था। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारे खिलाड़ियों ने शांति से काम लिया और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।'' उन्होंने कहा, ''यह शानदार मैच था जो रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था। मुझे लगता है कि दोनों टीमों को अपने प्रदर्शन पर बहुत गर्व होना चाहिए।'' मिचेल ने इसके साथ ही कहा कि श्रृंखला की मिली यह जीत उनके लिए काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, ''न्यूजीलैंड की कई टीमें अतीत में भारत का दौरा कर चुकी हैं और हर बार जब आप यहां आते हैं तो कुछ न कुछ सीखते और आगे बढ़ते हैं। लेकिन इस टीम के साथ हमने यहां जो हासिल किया है, उस पर टीम के सभी सदस्यों को बहुत गर्व है। स्वदेश लौटते समय सबके चेहरों पर बड़ी मुस्कान होगी।'' मिचेल से जब वनडे श्रृंखला की जीत को न्यूजीलैंड की भारत में टेस्ट श्रृंखला में जीत से तुलना करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि दोनों जीत से पता चलता है की टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''भारत को उसकी धरती पर किसी भी प्रारूप में हराना कभी आसान नहीं होता। इस टीम के साथ ऐसा करना न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए बहुत खास है।''

भारतीय शतरंज का नया सितारा ग्रैंडमास्टर आर्यन वार्ष्णेय

भारतीय शतरंज के स्वर्णिम इतिहास में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है। युवा प्रतिभा आर्यन वार्ष्णेय ने आर्मेनिया में आयोजित प्रतिष्ठित आंद्रानिक मार्गार्यान मेमोरियल टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा व अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म पूरा किया और इस उपलब्धि के साथ भारत के 92 वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। मात्र 21 वर्ष की आयु में यह मुकाम पाना न केवल उनकी अथक मेहनत, धैर्य और रणनीतिक कौशल का प्रमाण है, बल्कि भारतीय शतरंज की बढ़ती वैश्विक शक्ति को भी रेखांकित करता है। आर्यन की यह सफलता देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और शतरंज जगत के लिए एक और गौरवपूर्ण क्षण भी। आर्यन ने सात वर्ष की उम्र में प्रतिभा की पहली चाल चली। इन्होंने शतरंज अपने पिता गौरव वार्ष्णेय से सीखा। गौरव ही इनके कोच, मार्गदर्शक, विश्लेषक और प्रेरणास्रोत रहे हैं। आर्यन ने कभी पेशेवर कोच की मदद नहीं ली। पूरा प्रशिक्षण अपने घर पर ही लिया।

अपने आत्मविश्वास और बौद्धिक क्षमता के बल पर सफलता के एक स्वर्णिम अध्याय का इतिहास रचा और आर्यन की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से भारत वर्ष गौरवान्वित हुआ। अपने शतरंज खेल के सफरनामा में आर्यन ने अपनी एकाग्रता का अद्भुत परिचय देते हुए अपने करियर को संवारने के लिए किताबों से भी दोस्ती कर ली। नतीजा यह रहा कि उचित सामंजस्य और समय प्रबंधन की दृष्टि से उनके व्यक्तित्व का नवनिर्माण हुआ।आर्यन ग्रैंडमास्टर बनने वाले भारत के 92 वें तथा दिल्ली के 8 वें ग्रैंडमास्टर है। अगस्त 2024 में इंटरनेशनल मास्टर (आई एम) बनने के बिद 15 जनवरी 2026 को ग्रैंडमास्टर बनकर यह कठिन कारनामा कर दिखाया है। उसकी यह उपलब्धि देश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। आर्यन वार्ष्णेय ने आर्मेनिया में आयोजित 16 वीं आंद्रानिक मार्गार्यान मेमोरियल टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। राउंड रॉबिन फार्मेट में खेले गए टूर्नामेंट में आर्यन ने अंतिम जी एम नार्म पूरा करके एक राउंड शेष रहते ही यह टाइटल अपने नाम किया। विश्व स्तरीय तैयारी और उत्कृष्ट रणनीति के बलबूते अबआर्यन का अगलामहान लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप के शिखर पर पहुँचना है। '(हेमंत खुटे, छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव)

युवा खिलाड़ियों को कोहली से सीख लेने की जरूरत: गावस्कर

नयी दिल्ली, (भाषा) पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने के कारण भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा और टीम के बल्लेबाजों को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय पारी को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। भारत को इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से 41 रन से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पहली बार वन डे श्रृंखला में हार गया। भारत के प्रमुख बल्लेबाजों में केवल कोहली ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने 108 गेंद पर 124 रन बनाए। गावस्कर ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा, ''विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस श्रृंखला में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरुआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरुआत का मतलब आधा काम हो गया।'' उन्होंने बताया, ''भारत की शुरुआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था।'' भारत के आधे बल्लेबाज 159 रन तक पवेलियन लौट गए थे जिससे टीम की जीत की संभावना को गंभीर झटका लगा था। गावस्कर ने कहा, ''जब आप केएल राहुल जैसे शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को खो देते हैं और आपके पास नीतीश कुमार रेड्डी हैं, जिन्होंने 53 रन की इस पारी से पहले अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं किया था, और फिर हर्षित राणा हैं, जिनसे आप कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे तो लक्ष्य तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाती है। भारत को ठीक इसी स्थिति का सामना करना पड़ा।'' इस पूर्व बल्लेबाज ने आखिर तक प्रयास करने के लिए कोहली की प्रशंसा की और दूसरों से उनकी मानसिकता और निरंतरता का अनुकरण करने को कहा। उन्होंने कहा, ''उनकी विशेषता यह है कि वे किसी छवि से बंधे नहीं हैं। कई बल्लेबाज और गेंदबाज यह सोचते हैं कि लोग उनके बारे में कैसा सोचते हैं और उन्हें लगता है कि उन्हें अपनी क्षमता पर खरा उतरना होगा। विराट ऐसे नहीं हैं।'' गावस्कर ने कहा, ''वह (कोहली) अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं और वह काम है रन बनाना। कभी–कभी इसका मतलब होता है संभलकर खेलना और फिर खुलकर खेलना। कभी–कभी इसका मतलब जल्दी आक्रामक अंदाज अपनाना या फिर परिस्थितियों के अनुसार स्ट्राइक रोटेट करना होता है। कोहली इस बारे में नहीं सोचते कि उनसे किस तरह से खेलने की उम्मीद की जाती है।'' उन्होंने कहा, ''उनका स्वभाव ही सबसे अहम है। वह यह नहीं सोचते कि 'मुझसे छक्का मारने की उम्मीद की जाती है।' वह परिस्थिति के अनुसार खेलते हैं। वह कभी हार नहीं मानते। उन्होंने आखिर तक प्रयास किया। युवाओं को उनसे यही सबक लेना चाहिए कि वे किसी तरह की छवि में बंधकर नहीं रहें और परिस्थिति के अनुसार खेलें। ऐसा करने पर आप अधिक सफल और निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी बन जाओगे।''

चंद्रमा पर लौटने के प्रयासों के साथ अंतरिक्ष दौड़ जारी हैः सुनीता विलियम्स

नयी दिल्ली, (भाषा) अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा कि मौजूदा समय में "अंतरिक्ष दौड़" चल रही है, लेकिन प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि इंसान चंद्रमा पर वापस लौटे और यह "सार्थक, लोकतांत्रिक तरीके" से हो। यहां 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित लगभग एक घंटे के संवाद सत्र में शामिल होने से पहले, विलियम्स ने अपने संक्षिप्त प्रारंभिक संबोधन में यह भी कहा कि भारत वापस आना घर वापसी जैसा महसूस हुआ, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। गहरे नीले रंग के अंतरिक्ष परिधान और इसी थीम वाले कैनवास के जूतों में विलियम्स (60) भारतीय युवाओं से भरे सभागार में जोरदार तालियों के बीच दाखिल हुईं और बाद में सहजता से दर्शकों के साथ बातचीत की। अमेरिकी नौसेना की पूर्व कैप्टन विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे, जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनिया की थीं। बातचीत के दौरान, उन्होंने उस समय के अपने अनुभवों को भी साझा किया जब वह अंतरिक्ष में फंस गई थीं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आठ दिवसीय मिशन विलियम्स के जीवन की सबसे बड़ी चुनौती बन गया था क्योंकि उनकी बोइंग अंतरिक्ष उड़ान में समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं, जिसके कारण कक्षा में उनका प्रवास नौ महीने से अधिक तक बढ़ गया था। उस अवधि के कुछ दृश्य स्क्रीन पर दिखाए गए, जिसमें आईएसएस के बहुसांस्कृतिक दल को थैंक्सगिविंग, क्रिसमस और एक दल के सदस्य का जन्मदिन मनाते हुए दिखाया गया। विलियम्स ने कहा, "हम बहुत अच्छे गायक तो नहीं हैं, लेकिन हम अंतरिक्ष केक बना सकते हैं।" उनकी यह बात सुनकर दर्शक हंस पड़े। उन्होंने कहा, "आप एक समय में लगभग 12 लोगों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर देख सकते थे।" विलियम्स ने कहा, "आईएसएस पर रूस, जापान, यूरोप, कनाडा...और कई अन्य देशों के साथी थे। (ग्रुप) कैप्टन (शुभांशु) शुक्ला मेरे कुछ समय बाद आए थे। मुझे बहुत अफसोस है कि मैं वहां रहते हुए उनसे नहीं मिल पाई; हम कुछ कहानियां साझा कर सकते थे।" इस बातचीत के दौरान, उनसे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के तरीकों से लेकर अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन और अंतरिक्ष क्षेत्र के व्यावसायीकरण से लेकर अंतरिक्ष मिशन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सहयोग तक, कई तरह के सवाल पूछे गए। जब उनसे पूछा गया कि क्या अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की बढ़ती दिलचस्पी वास्तव में अंतरिक्ष दौड़ को जन्म दे सकती है, जिससे यह विज्ञान कथा से निकलकर वास्तविकता में बदल जाए, तो उन्होंने कहा, "अंतरिक्ष दौड़ चल रही है।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि अंतरिक्ष दौड़ चल रही है। लोग इस बारे में बात कर रहे हैं। हम...आप जानते हैं, हम चंद्रमा पर वापस जाना चाहते हैं।" विलियम्स ने कहा, "हम चंद्रमा पर वापस जाना चाहते हैं, ताकि नियमों और कार्यशैली पर बातचीत शुरू कर सकें, और यह तय कर सकें कि हम चंद्रमा पर कैसे काम करेंगे, और अन्य देशों के साथ मिलकर कैसे काम करेंगे।" उन्होंने कहा, "यह सुनिश्चित करने की होड़ लगी है कि हम इसे सार्थक और लोकतांत्रिक तरीके से करें। ठीक अंटार्कटिका की तरह। मेरा मतलब है, यह बिल्कुल वैसा ही मामला है। हम चंद्रमा पर वापस जाना चाहते हैं ताकि हम सभी एक ही समय में वहां मौजूद होकर मिलकर काम कर सकें।" अमेरिकी नील आर्मस्ट्रांग 1969 में अपोलो 11 मिशन के तहत चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति थे। नासा का चंद्रमा पर अंतिम मानवयुक्त मिशन 1972 में था।

उडुपी के श्री कृष्ण मठ ने श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड लागू किया

उडुपी (कर्नाटक), कर्नाटक में उडुपी स्थित श्री कृष्ण मठ ने एक सख्त ड्रेस कोड लागू किया है, जिसके तहत पुरुष श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने से पहले अपनी कमीज उतारनी पड़ेगी, जबकि महिलाओं को "शालीन और पारंपरिक परिधान" में आना होगा। परयाया शिरूर मठ द्वारा जारी यह निर्देश सोमवार, 19 जनवरी से प्रभावी हो गया है। पूर्व में, पुरुषों के लिए बिना कमीज पहने पूजा करने का नियम सिर्फ पूर्वाह्न 11 बजे से पहले होने वाली महापूजा में शामिल होने वालों पर लागू था। संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, अब यह ड्रेस कोड पूरे दिन लागू रहेगा। मंदिर अधिकारियों ने कहा कि जींस, टी-शर्ट, बिना आस्तीन की पोशाक या अन्य गैर-पारंपरिक परिधान पहने पुरुषों और महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पुरुष श्रद्धालुओं को मंदिर के आंतरिक हिस्सों में प्रवेश करने से पहले अपनी कमीज उतारनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय ऐतिहासिक श्री कृष्ण मठ की "पवित्रता, अनुशासन" और सदियों पुरानी परंपराओं को संरक्षित करने के लिए लिया गया है। श्रद्धालुओं से मंदिर प्रबंधन के साथ सहयोग करने और मंदिर दर्शन के दौरान निर्धारित ड्रेस कोड का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया गया है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मनाली के लिए रिवरफ्रंट विकास परियोजना की घोषणा की

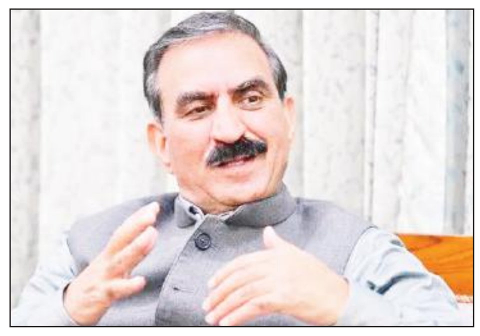

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को मनाली में 250 करोड़ रुपये की लागत से रिवरफ्रंट विकास परियोजना की घोषणा की जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है। यह घोषणा 'मनाली विंटर कार्निवल-2026' के उद्घाटन के दौरान की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश को प्रकृति, धार्मिक, साहसिक, आध्यात्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सुक्खू ने कहा, "पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। पर्यटकों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए हम ग्रीन हिमाचल बायोडायवर्सिटी पार्क और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रिवरसाइड पार्क विकसित कर रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार 'विंटर कार्निवल' जैसे आयोजनों को प्रोत्साहित कर रही है, ताकि पर्यटकों को एक यादगार अनुभव मिल सके। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य में एक नई 'ईको-टूरिज्म' नीति लागू की गई है। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत, नवंबर 2025 तक 11 'ईको-टूरिज्म' स्थलों का आवंटन किया गया है, जबकि अतिरिक्त 27 स्थलों के आवंटन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि ये पहल पर्यटन और स्थानीय स्तर पर स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही हैं।

चार और औद्योगिक क्षेत्रों को ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी संबंधी कार्यक्रम में शामिल किया गया

नयी दिल्ली, (भाषा) पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अब चार नए औद्योगिक क्षेत्रों दृ पेट्रोलियम रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल्स, वस्त्र और सेकेंडरी एल्युमिनियम- को ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) के उत्सर्जन में कमी लानी होगी क्योंकि इन क्षेत्रों को देश के जीएचजी उत्सर्जन में कमी लाने से जुड़े कार्यक्रम में शामिल किया गया है। ये कमी जीएचजी उत्सर्जन लक्ष्य नियम, 2025 के अनुसार लाई जाएगी। इससे पहले मंत्रालय ने उच्च उत्सर्जन वाले पारंपरिक क्षेत्रों जैसे एल्युमिनियम, सीमेंट, 'क्लोर-अल्कली' और पेपर उद्योगों को इस कार्यक्रम में शामिल किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "नए नियमों के तहत, 208 उद्योगों को 2025-26 से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लानी होगी।

नितिन नवीन : भाजपा की युवा इकाई की राजनीति से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का सफर

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, भाजपा की युवा इकाई में शामिल होने के बाद 26 साल की उम्र में विधायक और 45 साल की उम्र में भाजपा अध्यक्ष बनने तक का नितिन नवीन का राजनीतिक सफर किसी कहानी की तरह रहा है। सोमवार को निर्विरोध चुना जाना तय होने के बाद नितिन नवीन पार्टी के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। उनकी पदोन्नति भाजपा में एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है क्योंकि पार्टी राष्ट्रीय राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहती है। यह पहली बार है कि बिहार से कोई नेता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना है। आम तौर पर चर्चा से दूर रहने वाले नवीन बिहार से पांच बार विधायक रह चुके हैं और राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री भी रहे हैं। कायस्थ समुदाय से आने वाले नवीन को 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। नवीन को उनके पिता और पार्टी के दिग्गज नेता नवीन किशोर सिन्हा के निधन के कारण खाली हुई पटना पश्चिम विधानसभा सीट से महज 26 साल की उम्र में चुनाव मैदान में उतारा गया था। तब से लेकर लगभग दो दशकों में नवीन (45) बदले नाम वाले बांकीपुर से लगातार जीत के बाद पांच बार विधायक रह चुके हैं। नवीन को राजनीति में कदम रखने के लिए अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। शुरुआती दौर में उन्हें राजनीति के लिहाज से बाहरी व्यक्ति के रूप में देखा जाता था। सरल स्वभाव वाले नवीन ने कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के साथ ही तेजी से काम शुरू कर दिया था, जिन्हें इस साल तमिलनाडु, केरल और असम सहित कई विधानसभा चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करना होगा। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में उनके नाम की घोषणा से काफी पहले एक कार्यक्रम में नवीन ने कहा था कि वह पार्टी के उन कार्यकर्ताओं के सामने नतमस्तक होते हैं जिनकी कड़ी मेहनत से कई नितिन नवीन पैदा होते हैं। रांची में जन्में नवीन का विवाह दीपमाला श्रीवास्तव से हुआ है और उनके एक बेटा और एक बेटी है। नवीन चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल करने के लिए जाने जाते हैं, जिसकी शुरुआत 2006 में हुए पहले उपचुनाव से हुई थी, जिसमें उन्होंने लगभग 60,000 वोटों से जीत दर्ज की थी। नवीन ने हालिया चुनाव में 51,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की।
पार्टी के एक नेता ने कहा कि नवीन युवा हैं और उन्हें शासन तथा जनता एवं संगठन के लिए काम करने का व्यापक अनुभव है। वह बिहार सरकार में कई बार मंत्री रह चुके हैं और भारतीय जनता युवा मोर्चा के लिए भी व्यापक रूप से काम कर चुके हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ और सिक्किम के प्रभारी के रूप में काम करने का अनुभव है। छत्तीसगढ़ में भी पार्टी के पुनरुद्धार में उनकी भूमिका की भाजपा हलकों में काफी सराहना की गई। भाजपा के 1980 में गठन के बाद अटल बिहारी वाजपेयी पहले पार्टी अध्यक्ष बने थे और 1986 में लाल कृष्ण आडवाणी उनके उत्तराधिकारी बने थे। आडवाणी ने तीन कार्यकाल तक भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य किया जबकि इस पद पर रहने वाले अन्य लोगों में मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, जना कृष्णमूर्ति, वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह (दो बार), नितिन गडकरी और अमित शाह शामिल हैं। नड्डा 2020 से इस पद पर थे।

चंडीगढ़ कांग्रेस ने जनभागीदारी के लिए 'आइडियाज़ बैंक' की शुरूआत की

चंडीगढ़, (भाषा) चंडीगढ़ क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को 'आइडियाज़ बैंक' की शुरूआत की, जो जनभागीदारी वाली एक नागरिक पहल है। इसे शहर के निवासियों को इसके विकास को आकार देने में प्रत्यक्ष और सार्थक भूमिका निभाने के लिए बनाया गया है। पार्टी के एक बयान में कहा गया है कि इस प्लेटफॉर्म को एक खुले और सुलभ ऑनलाइन मंच के रूप में डिजाइन किया गया है। बयान के अनुसार, इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिक शहर में रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर विचार, सुझाव और समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, नागरिक सुविधाएं, पर्यावरण, सार्वजनिक स्थान और स्थानीय शासन शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनता की प्रतिक्रिया न केवल सुनी जाए, बल्कि राजनीतिक भागीदारी और निर्णय लेने में सक्रिय रूप से सहायक हो। इस बीच, कांग्रेस नेता और चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी ने इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा, "चंडीगढ़ एक जागरूक, सक्रिय और प्रतिबद्ध नागरिकों का शहर है। वर्षों से, लोग लगातार उन मामलों पर अपनी राय रखने की इच्छा जताते रहे हैं जो सीधे उनके जीवन और आस-पड़ोस को प्रभावित करते हैं।" पूर्व केंद्रीय मंत्री तिवारी ने कहा कि 'आइडियाज बैंक' एक संस्थागत प्रणाली तैयार करती है जिसके माध्यम से लोग शहर के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल कांग्रेस के इस विश्वास को दर्शाता है कि प्रभावी शासन जमीनी स्तर के वास्तविक अनुभवों और चिंताओं पर आधारित होना चाहिए। कांग्रेस की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लकी ने कहा कि यह पहल कार्रवाई-उन्मुख प्रक्रिया के माध्यम से कार्य करेगी।

गुरुग्राम यातायात पुलिस ने दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश के संबंध में परामर्श जारी किया

गुरुग्राम, (भाषा) गुरुग्राम यातायात पुलिस ने गणतंत्र दिवस समारोहों और 23 जनवरी को होने वाले अंतिम पूर्वाभ्यास के मद्देनजर दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश के संबंध में मंगलवार को एक परामर्श जारी किया। इस दौरान दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुरुग्राम में गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा के लिए 3,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन और अन्य स्थानों पर जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। परामर्श के अनुसार मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों के 22 जनवरी को शाम पांच बजे से 23 जनवरी को अपराह्न 1:30 बजे तक गुरुग्राम/दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। इसी प्रकार 25 जनवरी को शाम पांच बजे से 26 जनवरी को अपराह्न 1:30 बजे तक भी यही नियम लागू रहेगा। सुचारू यातायात सुनिश्चित करने और यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए भारी वाहनों का मार्ग बदला जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर जयपुर की ओर से आने वाले भारी वाहनों को पचगांव में केएमपी एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ा जाएगा।

भाजपा के कोष में 10 हजार करोड़ रुपये की धनराशि, निर्वाचन आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नयी दिल्ली, (भाषा) हाल ही में निर्वाचन आयोग को सौंपी गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार पार्टी के पास लगभग 10,000 करोड़ रुपये की नकदी और जमा राशि हैं। साल 2024-25 में, दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) और ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) को सत्ता से हटाने के बाद पार्टी के चुनाव प्रचार खर्च में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई। यह खर्च पिछले साल 1,754.06 करोड़ रुपये था जो बढ़कर 3,335.36 करोड़ रुपये हो गया। रिपोर्ट में कहा गया कि भाजपा के खातों में 2024-25 में 2,882.32 करोड़ रुपये की शुद्ध वृद्धि हुई। 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में पार्टी के 'जनरल फंड' में मौजूद धनराशि 12,164 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो पिछले साल 9,169 करोड़ रुपये थी। मंगलवार को भाजपा के नए अध्यक्ष चुने गए नितिन नवीन को अब इस धनराशि के इस्तेमाल का अधिकार मिलेगा। साल 2024-25 में, भाजपा को चंदे के रूप में 6,125 करोड़ रुपये मिले, जबकि पिछले साल 3,967 करोड़ रुपये मिले थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के पास 9,390 करोड़ रुपये की सावधि जमा है, और 2024-25 में इसे बैंकों से 634 करोड़ रुपये का ब्याज मिला। भाजपा ने 2024-25 में 65.92 करोड़ रुपये का आयकर रिफंड दाखिल किया और इस पर 4.40 करोड़ रुपये का ब्याज प्राप्त किया।

सुखचैन सिंह गिल पंजाब पुलिस के खुफिया प्रमुख नियुक्त

चंडीगढ़, (भाषा) पंजाब सरकार ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आठ अधिकारियों का तबादला कर दिया और वरिष्ठ अधिकारी सुखचैन सिंह गिल को राज्य पुलिस के खुफिया विभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी गिल को पुलिस महानिरीक्षक (खुफिया) पद पर तैनात किया गया है। वह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पी.के. सिन्हा का स्थान लेंगे जो सतर्कता ब्यूरो के मुख्य निदेशक पद पर काम करते रहेंगे। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एस.एस. श्रीवास्तव को विशेष महानिदेशक (मुख्यालय) नियुक्त किया गया है, जबकि कौस्तुभ शर्मा को अतिरिक्त महानिदेशक (सुरक्षा) नियुक्त किया गया है। आईपीएस अधिकारी मनिंदर सिंह को रोपड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अपने वर्तमान प्रभार के अलावा सहायक महानिरीक्षक (कल्याण) पद पर तैनात किया गया है।

रेलवे ने वंदे भारत स्लीपर, अमृत भारत 2 के टिकट रद्द करने पर 'रिफंड' के लिए कड़े नियम बनाए

नयी दिल्ली (भाषा) वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और अमृत भारत 2 ट्रेनों के यात्री यदि निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से पहले, अपने 'कंफर्म' टिकट रद्द करते हैं तो एक भी पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेल मंत्रालय द्वारा 16 जनवरी को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, इन ट्रेनों के टिकट रद्द करने का शुल्क किराये का 25 प्रतिशत होगा, बशर्ते कि 'कंफर्म' टिकट 72 घंटे से पहले रद्द किए जाएं। मंत्रालय ने रेल यात्री (टिकट रद्द करना और किराया वापसी) नियम, 2015 में संशोधन किया है और वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के साथ-साथ अमृत भारत 2 ट्रेनों के लिए सख्त नियमों को अधिसूचित किया है। अधिसूचना के अनुसार, "यदि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से कम समय पहले टिकट रद्द किया जाता है, तो कोई रकम वापस नहीं दी जाएगी।" अन्य ट्रेनों के मामले में, यदि 'कंफर्म' टिकट निर्धारित प्रस्थान समय से चार घंटे से कम समय पहले रद्द किए जाते हैं, तो धनवापसी के लिए पात्र नहीं होंगे। अधिसूचना के अनुसार, "यदि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 72 घंटे से पहले टिकट रद्द किया जाता है, तो रद्द करने का शुल्क किराये का 25 प्रतिशत होगा। वहीं, यदि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 72 घंटे से लेकर आठ घंटे पहले तक टिकट रद्द किया जाता है तो इसका शुल्क किराये का 50 प्रतिशत होगा।" अन्य ट्रेनों के लिए, यदि 'कंफर्म' टिकट को निर्धारित प्रस्थान समय से 48 घंटे से 12 घंटे पहले रद्द किया जाता है तो किराये का 25 प्रतिशत नहीं लौटाया जाता है, जबकि ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 12 घंटे से 4 घंटे पहले टिकट रद्द किया जाता है तो 50 प्रतिशत शुल्क लागू होता है।संशोधित नियमों की व्याख्या करते हुए रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "इसका मतलब यह है कि टिकट कंफर्म होने के बाद, इसे रद्द करने का न्यूनतम शुल्क टिकट की कीमत का 25 प्रतिशत है, और यह अवधि के आधार पर 100 प्रतिशत तक जा सकता है।" उन्होंने कहा, "वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत 2 में, अन्य ट्रेनों के विपरीत, प्रत्येक यात्री को एक निश्चित बर्थ की गारंटी दी जाती है। अन्य ट्रेनों में, यदि छह सदस्यों के एक परिवार को केवल तीन निश्चित बर्थ (सीट) मिलती हैं, तो शेष तीन सदस्यों को प्रतीक्षा करनी पड़ती है और उन्हें अन्य परिवार के सदस्यों के साथ बर्थ साझा करनी पड़ती है। वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत 2 में, ऐसे परिवार को या तो छह निश्चित बर्थ मिलेंगी या एक भी नहीं।" अधिकारी ने स्पष्ट किया कि 2026 में शुरू होने वाली अमृत भारत ट्रेन का नाम अमृत भारत 2 रखा गया है तथा ये आरक्षण और रद्द करने के नियम उन पर भी लागू होंगे। रेलवे द्वारा 15 जनवरी 2025 को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि जनवरी 2026 या उसके बाद शुरू की जाने वाली अमृत भारत ट्रेन को अमृत भारत 2 के नाम से जाना जाएगा। अधिकारी ने कहा, "फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 और 18 जनवरी 2026 को एक जोड़ी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन और नौ जोड़ी अमृत भारत 2 ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था और ये नये नियम इन ट्रेनों पर लागू होंगे।"

बाल कथा- तेल का मेल

श्रेयांश अपने पापा के स्कूटर के पीछे बैठकर बाजार जा रहा था। रास्ते में उसके पापा को पेट्रोल पंप नजर आया तो स्कूटर को उधर मोड़ दिया और पेट्रोल पंप पर स्कूटर खड़ा कर दिया।
'दो लिटर।' उन्होंने आदेश दिया।
पेट्रोल पंप के कर्मचारी ने स्कूटर में दो लिटर पेट्रोल डाल दिया। घर लौटने पर श्रेयांश ने पापा से पूछा, 'पापा, स्कूटर में पेट्रोल क्यों डाला जाता है?'
पापा ने बताया, 'बेटे, वाहन को चलाने के लिए किसी शक्ति या ताकत की जरूरत होती है। इस शक्ति को ऊर्जा कहते हैं। घोड़ागाड़ी, बैलगाड़ी, ऊंटगाड़ी, भैंसागाड़ी में पशु जुते होते हैं, जो अपनी ताकत से उन्हें खींचकर चलाते हैं। इन सभी वाहनों में पशु ऊर्जा काम में आती है।'
'और पापा साइकिल में ?' श्रेयांश ने पूछा।
'साइकिल में आदमी की ताकत काम में आती है। आदमी साइकिल या रिक्शा चलाता है।' पापा ने बताया।
श्रेयांश पापा की बात को ध्यान से सुन रहा था।
पापा ने आगे कहा, 'पर आजकल तो स्वचालित वाहनों का जमाना है। इनमें इंजन लगे होते हैं, जिन में अनेक कलपुर्जे होते हैं। इन वाहनों में पेट्रोल या डीजल ऊर्जा का काम करता है यानी ये वाहन पेट्रोल या डीजल से चलते हैं।'
'पापा, पेट्रोल या डीजल के साथ तेल क्यों डाला जाता है?' श्रेयांश ने पूछा।
पापा ने बताया, 'इंजन में कई कलपुर्जे लगे होते हैं। ये कलपुर्जे वाहन के चलते समय घूमते और सरकते हैं। घूमने और सरकने में आपस में टकराते रहते हैं। इस रगड़ से पुर्जे टूटते हैं। अब अगर पेट्रोल में तेल मिला हो तो वह तेल उनके बीच फैलकर बफर का काम करता है।'
'पापा, यह बफर क्या होता है?' श्रेयांश ने पूछा।
'बेटे, बफर दो के बीच फैला भाग होता है, जो दो सीमाओं को आपस में मिलने से रोकता है। तुमने बफर स्टेट का नाम सुना ही होगा। बफर स्टेट वह होता है जो दो से अधिक राज्यों के बीच फैला होता है और उन राज्यों की सीमाओं को आपस में मिलने से रोकता है।' पापा ने बताया।
'पापा, तेल डालने से और भी कोई फायदा है?' श्रेयांश ने पूछा।
'है क्यों नहीं, तेल इंजन में घूमने और सरकने वाले पुर्जों पर से अवांछित धूल कणों को हटाता है जिससे इंजन की जिंदगी बढ़ती है।' पापा ने समझाया।
पापा द्वारा दी गई जानकारी श्रेयांश की समझ में आ गई और इसी जानकारी को उसने अपने स्कूल के सभी दोस्तों को भी बताया।

संपादकीय

भारत और संयुक्त अरब अमीरातः साझेदारी का नया युग

यह ऐतिहासिक अवसर केवल दो देशों के बीच औपचारिक दौरे का नहीं है, बल्कि यह एक नए युग की शुरुआत है, जिसमें भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों ने गहरी, व्यापक और दीर्घकालिक दिशा प्राप्त की है। मित्रता, सहयोग और साझा विकास की भावना से यह दौरा अंतरराष्ट्रीय राजनीति और आर्थिक परिदृश्य पर सकारात्मक संदेश छोड़ता है। इस दौरे के प्रत्येक पहलू ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों की मजबूती, सहयोग की प्रतिबद्धता और भविष्य की साझा योजना को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान द्वारा भारत की यह यात्रा केवल दो घंटे की उपस्थिति से अधिक महत्व रखती है, क्योंकि इस संक्षिप्त समय में जो समझौते और घोषणाएँ की गईं, वे आने वाले दशकों तक मार्गदर्शन का कार्य करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अत्यंत गर्मजोशी और भाईचारे के साथ स्वागत यह संदेश देता है कि भारत इस साझेदारी को उच्चतम स्तर तक ले जाना चाहता है। यह केवल औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि मानवता, साझेदारी और साझा भविष्य पर आधारित रिश्तों की अभिव्यक्ति है। सबसे पहले वाणिज्य और आर्थिक सहयोग की बात करें तो दोनों देशों ने मिलकर एक द्वीपक्षीय व्यापार लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अनुसार वे आने वाले वर्षों में व्यापार को दोगुना कर उसे २०० अरब डालर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं। यह उद्देश्य दोनों देशों के व्यापार समुदाय में विश्वास और साझा आर्थिक भविष्य के प्रति दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक सहयोग इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण पहलू रहा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत भारत को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह समझौता भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा और उसे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में स्थिरता प्रदान करेगा। ऊर्जा के अलावा, दोनों देशों ने सामरिक रक्षा सहयोग के लिए समझौते किए हैं। इसका तात्पर्य यह है कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात केवल व्यापार या निवेश में साझेदार नहीं हैं, बल्कि अब वे सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और सैन्य संवाद के क्षेत्र में भी सहयोगी बन रहे हैं। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को भी लाभ मिलेगा। साझेदारी का विस्तार अंतरिक्ष, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भी हुआ है। दोनों देशों ने अंतरिक्ष अनुसंधान और उपयोगी प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे भविष्य में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

कृषि और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी सहयोग पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने कृषि उत्पादों के आदान–प्रदान और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समझौते किए। इस पहल से भारत के कृषक और खाद्य उत्पादक लाभान्वित होंगे और संयुक्त अरब अमीरात में खाद्य सुरक्षा सुदृढ़ होगी। इसके अतिरिक्त, अत्याधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, गणना यंत्र और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में साझा प्रयासों पर सहमति व्यक्त की। यह संकेत है कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात केवल वर्तमान सहयोग में ही रुचि नहीं रखते, बल्कि भविष्य में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी नेतृत्व साझा करना चाहते हैं। वित्तीय निवेश और अवसंरचना के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। गुजरात में विशेष निवेश क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात के निवेश के लिए समझौते हुए, जिसमें अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, स्मार्ट नगर, रेल संपर्क और ऊर्जा संसाधनों जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। यह पहल भारत के आर्थिक और व्यवसायिक विकास को गति देने में सहायक होगी। विदेश नीति और क्षेत्रीय स्थिरता के दृष्टिकोण से यह दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार–विमर्श किया, जिसमें संयुक्त रूप से शांति, सुरक्षा और समृद्धि के समर्थन का संकल्प व्यक्त किया गया। आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख अपनाने का भी निर्णय लिया गया, जिससे क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंध को भी इस दौरे में महत्व दिया गया। दोनों देशों ने युवा पीढ़ी के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक आदान–प्रदान बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। इसके अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने और शिक्षा, कला तथा संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया। इतिहास पर नजर डालें तो भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध सदियों पुराने हैं। समुद्री व्यापार, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और सहयोग के यह संबंध आज नई दिशा और परिपक्वता प्राप्त कर चुके हैं। यह दौरा इस उद्देश्य के साथ हुआ कि दोनों देश २१वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों का सामना मिलकर करेंकृचाहे वह ऊर्जा, सुरक्षा, विज्ञान या मानव विकास का क्षेत्र हो। आज यह स्पष्ट हो गया है कि यह संबंध केवल समझौता नहीं है, बल्कि साझा दृष्टि, साझा भविष्य और साझा मूल्यों की कहानी है। इस दौरे ने यह संदेश दिया कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात अपनी साझेदारी को और अधिक गहरा करना चाहते हैं और वैश्विक स्थिरता, सहयोग और समृद्धि के मार्ग में मिलकर कदम बढ़ाना चाहते हैं। इस सकारात्मक ऊर्जा, साझा विश्वास और साझा लक्ष्यों के साथ भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने एक नया अध्याय प्रारंभ किया है– एक ऐसा अध्याय जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और भारत की मित्रता, कूटनीति और साझेदारी की मिसाल पूरी दुनिया के सामने स्थापित करेगा।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

स्मरण शक्ति बढ़ाने और बुद्धि तेज करने के उपाय

मानव शरीर असीम रहस्यों का भण्डार है। मनुष्य का मस्तिष्क भगवान द्वारा दिया हुआ सबसे महत्त्वपूर्ण धन और अंश है। यह सुपर कंप्यूटर है जो सारे शरीर की सूक्ष्म से सूक्ष्म नाड़ियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करता है।इसकी कार्यशीलता पर ही सफलता और असफलता निर्भर करती है। साधारणतः मस्तिष्क का केवल तीन से सात प्रतिशत भाग ही सक्रिय हो पाता है। शेष सुप्त रहता है जिसमें असीम ज्ञान छिपा रहता है। ऐसी विलक्षण शक्ति को जाग्रत करने के कुछ उपाय यहां प्रस्तुत किए जा रहे हैं। दोनों कानों के नीचे के भाग को अँगूठे और उँगलियों से दबा कर नीचे की ओर खींचें। पूरे कान को ऊपर से नीचे करते हुए मरोड़ें। सुबह चार–पांच मिनट और दिन में जब भी समय मिले, कान के नीचे के भाग को खींचें। सिर व गरदन के पीछे बीच में मेडुसा नाड़ी होती है। इस पर उँगली से तीन–चार मिनट मालिश करें। इससे एकाग्रता बढ़ती है और पढ़ा हुआ याद रहता है।

ज्ञान मुद्रा – प्रातः उठ कर पदमासन या सुखासन में बैठकर हाथों की तर्जनी उँगली के अग्र भाग को अँगूठे से मिलाकर रखने से ज्ञान मुद्रा बनती है। शेष उँगलियाँ सहज रूप से सीधी रखें, आँखें बंद और कमर व रीढ़ सीधी, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्रा है। इसका हितकारी प्रभाव समस्त वायुमंडल और मस्तिष्क पर पड़ता है। ज्ञानमुद्रा पूरे स्नायुमंडल को सशक्त बनाती है। विशेषकर मानसिक तनाव से होने वाले दुष्प्रभावों को दूर कर मस्तिष्क के ज्ञान तंतुओं को सबल बनाती है। ज्ञान मुद्रा के निरंतर अभ्यास से मस्तिष्क की सभी विकृतियां और रोग दूर होते हैं जैसे पागलपन, उन्माद, विक्षिप्तता, चिड़चिड़ापन, अस्थिरता, अनिश्चितता, क्रोध, आलस्य, घबराहट, अनमनापन, व्याकुलता, भय आदि। मन शांत हो जाता है और चेहरे पर प्रसन्नता झलकती है। ज्ञानमुद्रा विद्यार्थियों के लिए वरदान है। इसके अभ्यास से स्मरण शक्ति और बुद्धि तेज होती है। अकारण उँगलियों को चटकाना, पंजा लड़ाना और उँगलियों को अनुचित रूप से चलाना आदि आदतें मस्तिष्क और स्नायुमंडल पर बुरा प्रभाव डालती हैं। इससे प्राण शक्ति का ह्रास होता है और स्मरण शक्ति कमजोर होती है, अतः इनसे बचना चाहिए। देशी गाय के शुद्ध घी में एक बादाम कुचल कर डाल दें और उसे गरम करके ठंडा कर लें। तत्पश्चात् छान कर रख लें। रात को सोते समय यह घी दो – दो बूंद दोनों नासिका के छिद्रों में थोड़ा गुनगुना करके डालें।

घी ड्रापर वाली शीशी में रख लें। डालने से पहले ड्रापर की शीशी गरम पानी में रखें और फिर गरम होने पर नाक में डालें।

यही घी नाभि में डालकर चार–पाँच बार घड़ी की दिशा में और चार–पाँच बार घड़ी की विपरीत दिशा में घुमाएं। फिर उस पर गीले कपड़े की पट्टी रखें। ऐसा करीब दस पन्द्रह मिनट करें। दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोएँ। सोते वक्त दोनों की पैरों की पदतलियों में अपने हाथ से घी से मालिश करें। इससे नींद अच्छी आती है, मस्तिष्क में शांति, प्रसन्नता और सक्रियता आती है और मनोबल बढ़ता है।

चार–पाँच बादाम की गिरी पीसकर गाय के दूध और मिश्री में मिलाकर पीने से मानसिक शक्ति बढ़ती है। आयुर्वेद के अनुसार ब्राह्मी, शंखपुष्पी, वच, असगंध, जटामांसी, तुलसी समान मात्रा में लेकर चूर्ण का प्रयोग नित्य प्रति दूध के साथ करने पर मानसिक शक्ति, स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है।

उत्तर दिशा में मुँह करके पिरामिड की आकृति की टोपी पहनकर पढ़ाई करने से पढ़ा हुआ बहुत शीघ्र याद होता है। टोपी कागज, गत्ता या मोटे कपड़े की बनाई जा सकती है। पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने हेतु मन लगाकर पढ़ना, रूचिपूर्वक पढ़ना अत्यंत आवश्यक है। असफलता का अर्थ है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं किया गया। रात्रि को सोते समय अपने दिन भर के किए हुए कार्यों पर चिंतन–मनन करना, उनकी समीक्षा करना, गलतियों के प्रति खेद व्यक्त करना और उन्हें पुनः न दोहराने का संकल्प लेना चाहिए। प्रातः सोकर जागते समय ईश्वर को नया जन्म देने हेतु धन्यवाद देना चाहिए और पूरा दिन अच्छे कार्यों में व्यतीत करने का संकल्प लेकर पूरे दिन की योजना बनाकर बिस्तर छोड़ना चाहिए।

भगवान विष्णु और सुदर्शन चक्र

वैदिक समय से ही भगवान विष्णु संपूर्ण विश्व की सर्वोच्च शक्ति और नियन्ता के रूप में मान्य रहे हैं। पुराणों में भगवान विष्णु को विश्व का पालनहार कहा गया है। उनके बारे में ये तो सब जानते हैं कि उनके चार हाथ हैं जिसमें वह अपने नीचे वाले बाएं हाथ में पद्म(कमल), अपने नीचे वाले दाहिने हाथ में गदा(कौमोदकी), ऊपर वाले बाएं हाथ में शंख और अपने ऊपर वाले दाहिने हाथ में सुदर्शन चक्र धारण करते हैं। भगवान विष्णु के पास सुदर्शन चक्र आने के पीछे एक पौराणिक कथा है, जिसका उल्लेख पुराणों में भी मिलता है। कहा जाता है कि एक बार भगवान विष्णु कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को शिवजी का पूजन करने के लिए काशी आए जहां मणिकर्णिका घाट पर स्थान करके उन्होंने 1000 स्वर्ण कमल फूलों से भगवान शिव की पूजा का संकल्प लिया। अभिषेक के बाद जब भगवान विष्णु पूजा करने लगे तो शिवजी ने उनकी भक्ति की परीक्षा लेने के लिए एक कमल का फूल कम कर दिया।

अब चूंकि भगवान विष्णु को अपने संकल्प की पूर्ति के लिए 1000 कमल के फूल चढ़ाने थे, इसलिए उन्होंने सोचा कि मेरी आंखें ही कमल के समान हैं, इसलिए तो मुझे कमल नयन और पुण्डरीकाक्ष कहा जाता है। एक कमल के फूल के स्थान पर मैं अपनी आंख ही चढ़ा देता हूं। ऐसा सोचकर भगवान विष्णु जैसे ही अपनी आंख भगवान शिव को चढ़ाने के लिए तैयार हुए, वैसे ही शिवजी प्रकट होकर बोले, 'हे विष्णु, आपके समान संसार में कोई दूसरा मेरा भक्त नहीं है। आज की यह कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी अब से बैकुंठ चतुर्दशी के नाम से जानी जाएगी। इस दिन व्रत पूर्वक जो पहले आपका और बाद में मेरा पूजन करेगा, उसे बैकुंठ लोक की प्राप्ति होगी। तब प्रसन्न होकर शिवजी ने भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्र प्रदान किया और कहा कि यह चक्र राक्षसों का विनाश करने वाला होगा। तीनों लोकों में इसकी बराबरी करने वाला कोई अस्त्र नहीं होगा। ऐसा माना जाता है कि विष्णु जी के शेषनाग पर लेटे हुए रूप का अर्थ है कि मनुष्यों को सुख और खुशियों के साथ–साथ कई समस्याओं से भी उसी वक्त गुजरना पड़ता है। यानी सुख के साथ दर्द भी। इसीलिए जीवन के इस सच को वो सांपों के ऊपर लेटकर मुस्कुराते हुए दर्शाते हैं। माना जाता है कि भगवान विष्णु के मुकुट पर लगा मोर पंख, उनके कृष्ण अवतार को दर्शाता है। ऐसा भी माना जाता है कि ये मोर पंख विष्णु जी ने कृष्ण भगवान से ही लिया है। इसके अलावा विष्णु जी की छाती पर बना श्रीवस्ता उनका लक्ष्मी जी के प्रति प्रेम को दर्शाता है। वहीं, उनका सुदर्शन चक्र सात्विक अहंकार को दर्शाता है। पुराणों के अनुसार भगवान विष्णु के 10 अवतार हैं जिसमें मत्स्यावतार, कूर्मावतार, वराहावतार, नरसिंहावतार, वामनावतार, परशुरामावतार, रामावतार, कृष्णावतार, बुद्धावतार और कल्कि अवतार शामिल हैं हालांकि भगवान ने अभी कल्कि अवतार नहीं लिया है। ऐसा माना जाता है कि कलयुग का अंत नजदीक आ जाने पर जब पृथ्वी पर पाप बहुत बढ़ जाएगें, तब भगवान विष्णु कल्कि अवतार लेंगे और अधर्म का विनाश कर पुनः धर्म की स्थापना करेंगे।

अनुपम औषधि है हंसी

आज की भाग दौड़ की जिन्दगी में आदमी इतना व्यस्त है कि उसे हंसने तक की फुर्सत नहीं है लेकिन न हंसना भी जिन्दगी में परेशानी का सबब बन सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कदम–कदम पर दुखों और मानसिक तनावों के मेले नजर आते है। ऐसे में इसकी महत्ता और उपादेयता और भी अधिक बढ़ जाती है। हास परिहास के बिना जीवन एकदम नीरस व उबाऊ हो जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार हंसना स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है और यह एक अच्छे टॉनिक का कार्य करता है। इससे जीवन में मधुरता का संचार ही नहीं होता अपितु कुछ देर के लिए व्यक्ति अपने सारे दुःखों को भूलकर आत्मसुख का अनुभव करता है।

हंसने से शरीर का आंतरिक व्यायाम होता है जिससे शरीर तथा मस्तिष्क दोनों ही चुस्त रहते हैं।

खुलकर हंसने से व्यक्ति के रक्त संचार की गति बढ़ जाती है तथा पाचन तंत्रा अधिक कुशलता से कार्य करता है। हंसने से ऑक्सीजन का संचार अधिक मात्रा में होता है और दूषित वायु शरीर से बाहर निकल जाती है। हंसने से चेहरे व पेट के विविध हिस्सों की हल्की मालिश भी स्वतः हो जाती है। फलतः पाचन किया सामान्य बनी रहती है। संपूर्ण स्नायुतंत्रा से शिथिलता का लोप होकर एक नये उत्साह का संचार होता है। हंसने से थकान, मानसिक तनाव और शारीरिक दर्द में भी कमी आती है। पसीना अपेक्षाकृत अधिक निकलता है जिससे शरीर की गंदगी आसानी से बाहर निकल जाती है। ठहाका मारकर हंसने से न केवल यकृत अपना कार्य सुचारू रूप से करने लगता है बल्कि शरीर के अन्य महत्त्वपूर्ण अंग जैसे फेफड़े, हृदय, पेट, वक्ष आदि भी सक्रिय होकर अपना काम ठीक ढंग से करने लगते हैं। सही मायने में देखा जाए तो हंसने–हंसाने की प्रक्रिया मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाती है जिससे शरीर में रोगों से प्रतिरोध करने की क्षमता बढ़ती है। हास–परिहास के वातावरण में रहने से चिंताएं दूर होती है और भय खत्म होता है तथा क्रोध की भावना नष्ट होती है। ऐसा देखा गया है कि हंसमुख व्यक्ति दीर्घायु होता है और गंभीर से गंभीर कार्यों का संपादन हंसते हुए कर देता है। भरपूर हंसी शरीर की आंतरिक जॉगिंग है। आजकल के तनावयुक्त जीवन में हंसना स्वास्थ्य के लिए अमृत के समान है क्योंकि जिसे हंसी मिल जाए उसे सबसे बड़ी दौलत हासिल हो जाती है। हंसना एक अद्भुत कला है जो जीवन में मनुष्य के लिए सार्थक एवं उपयोगी है। जहां तक हो सके, स्वयं तो हंसें ही और दूसरों को हंसाने का भी हर संभव प्रयास करें।

जन–जागरूकता के अभाव से जानलेवा बनता टीबी

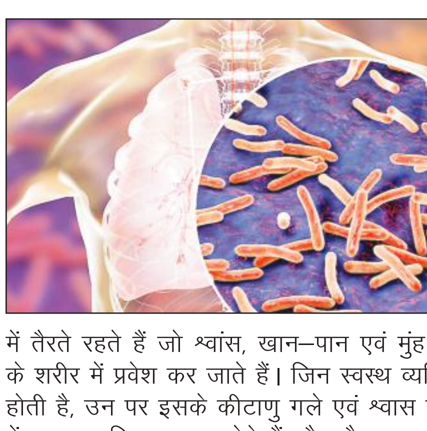

टीबी भारत सहित विश्व भर के चिकित्सकों के लिये चुनौती बन गया है। माइक्रो बेक्ट्रीयम ट्यूबरक्लोसिस नामक कीटाणु से होने वाला यह रोग टीबी, तपेदिक, क्षय, राजयक्ष्मा, राजरोग, यक्ष्मा, यक्ष्मी, आदि नामों से जाना जाता है। टीबी संक्रमित रोगी के कफ, बलगम, श्वांस नाक मुंह के माध्यम से निकलकर इसके कीटाणु हवा में तैरते रहते हैं जो श्वांस, खान–पान एवं मुंह के माध्यम से किसी भी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिन स्वस्थ व्यक्तियों में रोग से लड़ने की क्षमता क्षीण होती है, उन पर इसके कीटाणु गले एवं श्वास नली में होते हुए शरीर के भीतरी भागों में अपना अधिकार जमा लेते हैं और फैल कर शरीर को क्षरण करते रहते हैं। उचित उपचार अभाव में धीरे–धीरे पूरे शरीर को इसके कीटाणु खोखला (निष्क्रिय) कर देते हैं और संक्रमित व्यक्ति काल कवलित हो जाता है। क्षय रोग किसी को भी हो सकता है। पहले टीबी उपचारहीन रोग माना जाता था किंतु अब उपचार से इसका रोगी पूरी तरह ठीक हो जाता है। यह रोग मुख्य रूप से फेफड़ों का होता है किंतु कालान्तर में शरीर के अन्य भीतरी भागों में फैल जाता है। विडंबना यह है कि इसके रोगी दवा से लाभ होता देख दवा की निश्चित मात्रा निश्चित अवधि तक न लेकर बीच में बंद कर देते हैं जिसके चलते इसके कीटाणु शक्तिशाली हो जाते हैं और कालांतर में टीबी के जीवाणु के प्रति उपलब्ध दवाओं की कार्यक्षमता कम हो जाती है। परिणामतः जीवाणुओं की नई प्रजाति विकसित हो गयी है जिसके कारण चिकित्सक अत्यंत चिंतित हैं किंतु इस सबके पश्चात भी यदि जन साधारण इस रोग के प्रति जागरूक रहे तो इससे बच भी सकते हैं और रोगी यदि चिकित्सा के परामर्शानुसार नियमित रूप से दवाओं का पूरा कोर्स लें तो टीबी की बढ़ती दर को निश्चय ही कम कर सकते हैं । रोगी को महीनों खांसी रहना, दिन रात तीव्र ज्वर बने रहना और शाम को बढ़ना, भूख की कमी, छाती में पीड़ा, सांस लेने में कष्ट, दुर्बलता, शरीर क्षीण होना, अधिक मात्रा में पीला कफ कभी–कभी कफ में रक्त आना, खांसी से स्वर नली में घाव होकर आवाज बैठ जाना, रात में पसीना आना, वजन कम होना टीबी के लक्षण हैं।

यह बीमारी बड़ों की अपेक्षा बच्चों में अधिक पाई जाती है। इनके फेफड़े एवं श्वांस नलियां कोमल होती हैं जो टीबी जीवाणु का आश्रय स्थल बन जाते हैं। अधिक लक्षणों के मिलने पर छाती के एक्सरे एवं कफ की जांच से इसकी पुष्टि की जाती है। इस रोग से भारत में फेफड़े अधिक संक्रमित होते हैं। बाल्यकाल में बीसीजी का टीका लगाने से आजीवन इस रोग से बचाव हो जाता है। यह टीका पांच वर्ष की आयु तक कभी भी एक बार लगाया जा सकता है। सभी उपचार पद्धतियों में इसकी चिकित्सा है किंतु एलोपैथी की डाट्स विशेष प्रभावी एवं लाभकर और कारगर है। इसकी जांच दवा पूर्णतः निःशुल्क है। निश्चित मात्रा की इसकी दवा लेने से एक डेढ़ माह के भीतर ही इसके लक्षण समाप्त हो जाते हैं जिससे प्रभावित रोगी दवा आगे लेना बंद कर देता है। यह प्राणघाती है, अतएव दवा लेना आगे भी जारी रखना चाहिए।

आयुर्वेद के अनुसार बकरी का दूध पीने से लाभ मिलता है एवं संक्रमित व्यक्ति यदि बकरी को पालतू बनाकर रखे तो उसके शरीर एवं मल मूत्रा से निकलने वाली गंध से टीबी के कीटाणु मर जाते हैं इसलिये महात्मा गांधी इससे बचने के लिए बकरी पाल कर रखते थे। जिन मुस्लिम परिवारों में बकरी पाली जाती है उनके यहां टीबी के रोगी नहीं मिलते। बकरीद के समय बलि के लिये लाए गए बकरे को कुछ दिन पालने की भी परंपरा है। रोगी प्रातः एवं सायं धूप का सेवन करे और स्वच्छ वायु में रहे। स्वस्थ व्यक्ति रोगी के संपर्क से बचें । नाक एवं मुंह में कपड़ा (मास्क) बांध कर रोगी से मिलें। रोगी के कफ व मल मूत्रा से दूर रहें। इनमें डेटाल या राख डालें। रोगी अंधेरे, गीले व दूषित स्थान से बचें । धूम्रपान गरिष्ठ तले मिर्च मसालेदार भोजन, मांस, मछली, अंडा, चाय, काफी, शराब, अचार, खटाई, तेल, घी, तम्बाकू, गुटखा एवं कठोर श्रम से बचें। रोगी हल्का पौष्टिक सुपाच्य भोजन करें। मक्खन, मिश्री, सेव, आम, अंगूर, मुनक्का, नारियल, खजूर, लौंग, गाजर, केला, प्याज, लहसुन, फूलगोभी, लौकी, मक्का, शहद, अखरोट, अरारोट, दूध, पुराना चावल, मूंग की दाल, सूजी की रोटी का सेवन करें तो लाभ शीघ्र मिलेगा।

बंद कमरे में अंगीठी या हीटर का प्रयोग - ना बाबा ना

सर्दी का मौसम आते ही ठिठुरन से बचने के लिए लोग तरह–तरह के उपाय अपनाने लगते हैं। खासकर ग्रामीण, कस्बाई और निम्न–आय वर्ग के क्षेत्रों में आज भी अंगीठी, कोयला, लकड़ी या गैस हीटर का उपयोग आम है। वहीं शहरी इलाकों में इलेक्ट्रिक हीटर का चलन बढ़ गया है परंतु यह सर्दी से राहत देने वाला साधन कब जानलेवा बन जाए, इसका अंदाज़ा अधिकतर लोगों को नहीं होता। हर वर्ष इस भयानक ठंड के मौसम में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी दुःखद खबरें सामने आती हैं जिनमें बंद कमरे में अंगीठी या हीटर जलाकर सोने से पूरे परिवार की मौत तक हो जाती है। यह घटनाएँ केवल लापरवाही नहीं, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य और अज्ञानता का परिणाम हैं। अंगीठी, कोयला, लकड़ी और गैस के अधूरे दहन से कार्बन मोनोऑक्साइड नामक अत्यंत विषैली गैस निकलती है। यह गैस ना तो दिखाई देती है,न इसकी कोई गंध होती है और न ही इसका स्वाद महसूस होता है। इसी कारण इसे "खामोश हत्यारा" भी कहा जाता है। बंद कमरे में यह गैस धीरे–धीरे जमा होती रहती है। सोते हुए व्यक्ति को इसका आभास तक नहीं होता। यह गैस शरीर में जाकर रक्त में मौजूद ऑक्सीजन की जगह ले लेती है, जिससे मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक जाती है, हृदय व फेफड़ों पर गंभीर असर पड़ता है और व्यक्ति गहरी बेहोशी में चला जाता है। कई मामलों में मृत्यु भी हो जाती है।सबसे खतरनाक बात तो यह है कि व्यक्ति को बचाव का मौका भी नहीं मिल पाता।

कार्बन मोनोऑक्साइड के प्रभाव से निम्नलिखित लक्षण दिखाई दे सकते हैंकृ तेज सिरदर्द ,चक्कर आना , मतली या उल्टी , घबराहट ,अत्यधिक नींद आना , सांस लेने में कठिनाई , सीने में जकड़न । दुर्भाग्यवश,ये लक्षण अधिकतर सोते समय या रात में होते हैं, जब व्यक्ति उन्हें पहचान ही नहीं पाता। सुबह तक स्थिति जानलेवा हो जाती है। ये लोग सबसे अधिक खतरे में होते हैं। कुछ वर्ग इस खतरे के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं जैसे – नवजात और छोटे बच्चे ,बुजुर्ग , हृदय व फेफड़ों के रोगी , उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगी , दमा या टीबी से पीड़ित व्यक्ति , गर्भवती महिलाएं । इनके लिए थोड़ी–सी भी लापरवाही गंभीर परिणाम ला सकती है। केवल अंगीठी ही नहीं, हीटर का गलत उपयोग भी खतरनाक है जैसे – शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका , कंबल या कपड़ों के सुलगने का खतरा , बच्चों के झुलसने की संभावना आदि । वही गैस हीटर से गैस रिसाव , दम घुटना , विस्फोट या आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। इन दुर्घटनाओं में हर साल सैकड़ों लोग घायल या मृत होते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि – बंद कमरे में अंगीठी जलाकर कभी न सोएं , कोयला या लकड़ी जलाकर दरवाज़े–खिड़कियाँ बंद न करें , हीटर का प्रयोग करते समय कमरे में उचित वेंटिलेशन रखें।

हीटर और ब्लोअर के सामने एक बर्तन में पानी भर कर रख दें , खिड़की या रोशनदान थोड़ा खुला अवश्य रखें , सोने से पहले हीटर बंद कर दें , बच्चों को हीटर या अंगीठी से दूर रखें , सिरदर्द, चक्कर या घबराहट महसूस होते ही तुरंत खुले स्थान में जाएं , आवश्यकता पड़ने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। ठंड से बचने के लिए ऐसे उपाय अपनाएं जो सुरक्षित भी हों और लाभकारी भी जैसे – गर्म कपड़े, टोपी, दस्ताने और मोज़े पहने , मोटे और सूखे कंबल प्रयोग करें , गुनगुना दूध या हल्दी वाला दूध , गरम–गरम सूप, दिन में एक बार काढ़ा और गरम पानी , अगर धूप निकले तो सुबह की धूप का सेवन , हल्का फुल्का व्यायाम और शरीर को सक्रिय रखना। ये उपाय न केवल ठंड से बचाते हैं, बल्कि रोग–प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं। ठंड से बचाव आवश्यक है लेकिन गलत तरीका जीवन के लिए घातक हो सकता है। थोड़ी–सी समझदारी, सही जानकारी और सतर्कता से अनेक अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता है। यह समय है कि हम स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार, पड़ोस और समाज को भी इस खामोश खतरे के प्रति सचेत करें क्योंकि सावधानी ही सच्ची सुरक्षा है।

खुले कार्यालय बेहतर हैं छोटे केबिन से: आजकल स्थान बहुत कीमती है और छोटे छोटे स्थान पर केबिन का रूप देकर कार्यालय खोल दिए जाते हैं पर एक शोध में पाया गया है कि ऐसे छोटे–छोटे केबिन कार्यालय में कार्य करने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं क्योंकि ऐसे स्थान पर कार्य करने से कर्मचारियों का तनाव बढ़ता है जबकि बड़े कार्यालय में काम करने से उत्पादकता और आत्मविश्वास में वृद्धि पाई गई। खुले कार्यस्थल में काम करने से कर्मचारी एक दूसरे की मनोभावनाओं को बेहतर समझ पाते हैं जिससे तनाव कम होता हैं।

डॉक्टर रुप कुमार बनर्जी

लक्ष्य और जाह्नवी कपूर की लग जा गले

फिल्ममेकर करण जौहर ने साल 2022 में फिल्म 'लग जा गले' का अनाउंसमेंट बड़ी धूम धाम के साथ किया था। कहा जा रहा है कि अनाउंसमेंट के 3 साल बाद अब करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शन रिवेंज बेस्ड इस एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहा है। फिल्म को पहले खुद करण जौहर डायरेक्ट करने वाले थे लेकिन अब उन्होंने यह जिम्मेवारी अपने चहेते डायरेक्टर राज मेहता के कंधे पर डाली है। फिल्म 'लग जा गले' में करण जौहर के बेहद लाडले बनकर उभरे एक्टर लक्ष्य लालवानी, जाह्नवी कपूर और टाइगर श्रॉफ एक साथ नजर आएंगे। ये फिल्म इसी साल ही बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। 19 अप्रैल 1996 को जन्मे एक्टर लक्ष्य लालवानी एक सिंधी परिवार को बिलॉन्ग करते हैं। इन्होंने 2015 में टेलीविजन श्रंखला 'वारियर हाई' के साथ अभिनय कैरियर की शुरूआत की। उसके बाद टीवी श्रंखला 'अधूरी कहानी हमारी' (2015–16) में युवाराज माधव शेखावत की भूमिका निभाई। 'प्यार तूने क्या किया' (2016) में एक ऐपिसोड करने के बाद लक्ष्य को 'परदेस में है मेरा दिल (2016–17) में वीर मेहरा के रूप में लिया गया। उन्होंने 500 करोड़ के मेगा बजट में बने सबसे महंगे भारतीय टीवी शो में से एक टीवी शो 'पोरस' (2017–18) में एक योद्धा की भूमिका निभाई। इसके अलावा वे 'चंद्रगुप्त मौर्य' जैसे टीवी शोज में भी नजर आए। लक्ष्य लालवानी को आखिरी बार साल 2025 में ऑन स्ट्रीम हुई आर्यन खान दारा निर्देशित बेहद कामयाब वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में देखा गया था। अब लक्षय के पास 'लग जा गले' के अलावा 'चांद मेरा दिल' और 'दोस्ताना 2' जैसी फिल्में भी है। खास बात ये है कि इन तीनों फिल्मों को करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के लिए 2025 शानदार रहा। इस बीते साल में उन्होंने अपनी तीन फिल्मों से 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025), 'परम सुंदरी' (2025) और 'होमबाउंड' (2025) के जरिए बड़े पर्दे पर अपनी पकड़ को और मजबूत बनाने में सफलता हासिल की। इन तीनों फिल्मों में उनका अलग–अलग अंदाज देखने को मिला। इस साल 27 मार्च को रिलीज हो रही फिल्म 'पेड्डी' में जाह्नवी कपूर राम चरण के साथ दिखाई देंगी। 'लग जा गले' के तीसरे एक्टर टाइगर श्रॉफ ने 2014 में हीरोपंती से डेब्यू किया था। अपने करियर में वैसे तो उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है लेकिन बीते कुछ सालों से देखा गया कि उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही हैं। इस वक्त टाइगर के पास 'लग जा गले' के अलावा 'रेंबो' और 'स्क्रू ढीला' जैसी फिल्में भी हैं।

फिल्म द राजा साब की अनीता, रिद्धि कुमार

बॉलीवुड, मराठी और साउथ फिल्मों में अपनी अदाओं का जादू चला चुकी स्टाइलिश और बेहद ग्लैमरस एक्ट्रेस रिद्धि कुमार, ने तेलुगु रोमांस फिल्म 'लवर' (2018) से एक्टिंग में डेब्यू किया था। उसके बाद उसी साल, वह विराज अश्विन के साथ तेलुगु फिल्म 'अनागनगा ओ प्रेम कथा' में नज़र आईं। रिद्धि कुमार ने फिल्म 'प्रणय मीनुकलुडे कदल' (2019) से मलयालम और फिल्म 'कधिपट्टा' (2025) से मराठी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। रिद्धि ने रोनित रॉय और ऋचा चड्ढा के साथ हिंदी सीरीज़ 'कैंडी' से वेब डेब्यू किया। 'कैंडी' में उनकी भूमिका के लिए रसिका दुगल और शबाना आज़मी के साथ बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेसदृ ड्रामा (ओटीटी) कैटेगरी में इंडियन टेलीविज़न एकेडमी अवाड्र्स के लिए नॉमिनेट किया गया था। साल 2022 में रिद्धि, शेफाली शाह और कीर्ति कुल्हारी के साथ हिंदी सीरीज़ 'ह्यूमन' में नज़र आईं। रिद्धि अन्नू कपूर के साथ हिंदी वेब सीरीज़ 'क्रैश कोर्स' में नज़र आ चुकी हैं। महाराष्ट्र के तीर्थ स्थल शिरडी के पास कोपरगांव में पैदा हुई रिद्धि कुमार के पिता इंडियन आर्मी में ऑफिसर हैं। रिद्धि ने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज से फिलॉसफी में बैचलर डिग्री हासिल की है। फिल्मों में आने से पहले रिद्धि कुमार ने मॉडलिंग और पेजेंट्री में अपना करियर शुरू किया। उन्होने कई फैशन शो और रीजनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया। कैडबरी डेयरी मिल्क के विज्ञापन में रिद्धि को काफी पॉपुलेरिटी मिली थी। एक्ट्रेस होने के साथ–साथ रिद्धि एक सोशल मीडिया सेंसेशन भी हैं। अपनी खूबसूरत तस्वीरों और वीडियो के जरिए इस प्लेटफार्म पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग है। रिद्धि कुमार हाल ही में 9 जनवरी को रिलीज, मारुति द्वारा निर्देशित बहुभाषी रोमांटिक–हॉरर फिल्म 'द राजा साब' में प्रभास के अपोजिट अनीता के किरदार में नजर आईं। इसके पहले भी साल 2022 में वह तेलुगु–हिंदी द्विभाषी फिल्म 'राधे श्याम' में प्रभास के साथ नज़र आ चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश देश का सिरमौर, जिधर देखेंगे वहां ऊर्जा मिलेगी: नरेंद्र सिंह तोमर

लखनऊ, (भाषा) मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सिरमौर है और जिस तरफ भी नजर डालेंगे वहां के कण– कण से ऊर्जा प्राप्त होगी। उप्र विधानभवन में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दूसरे दिन मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों और उप्र विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नये प्रयोगों की सराहना की। तोमर ने कहा, ''आज निश्चित रूप से हम सबके लिए प्रसन्नता का क्षण है कि जब उप्र के इस ऐतिहासिक विधानभवन में हम लोग अपनी बात रखने के लिए एकत्र हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि ''उप्र देश का सिरमौर है। जिस तरफ भी देखेंगे तो उप्र के कण–कण से ऊर्जा प्राप्त होती है।" तोमर ने कहा कि "मुझे प्रसन्नता है कि जिस प्रकार उप्र का महत्व देश में है और जिस उप्र ने अनेक भारत रत्न और अनेक प्रधानमंत्री दिए, उस उप्र की धरती पर उप्र विधान सभा की टीम ने सतीश महाना के नेतृत्व में हम सबकी मेजबानी की, उसके लिए कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।'' लोकसभा अध्यक्ष की मौजूदगी में तोमर ने कहा कि "बिरला जी जबसे लोकसभा अध्यक्ष बने हैं, तब से लगातार राज्यों की विधानसभा की सक्रियता, क्षमता, संपर्क बढ़े और लोकसभा से सम्बद्ध रखते हुए अपने राज्य के विधानमंडलों में कीर्तिमान बनाएं, इसके लिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम ही है।" उन्होंने कहा कि "विधायिका की जनता के प्रति जवाबदेही का विषय हो, या कुशल पारदर्शी नागरिक केंद्रित तकनीक जैसे जिन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए यह सम्मेलन आयोजित किया गया है, वह आने वाले कल में सिद्धांत के रूप में देश के उपयोग में आयेगा।" उन्होंने आजादी का महत्व बताते हुए कहा कि यह विधानसभाओं की जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम सब अपने पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को सहेज कर रखें और उसका भान कराएं। उन्होंने चुनावी विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि ''आजकल चुनावों की ऐसी स्थिति हो गई है कि किसी भी प्रकार से चुनावों में टिकट प्राप्त हो, टिकट मिले तो किसी प्रकार से जीतें, जीतने के लिए किसी भी सीमा पर जाना पड़े, स्वाभाविक रूप से चुनाव होंगे तो जो भी लड़ेगा जीतने के लिए लड़ेंगा, लेकिन उसमें भी अर्न्तमापदंड स्थापित होंगे तो हम लोकतंत्र को और भी खूबसूरत बना सकेंगे। जवाबदेही को और ज्यादा सुनिश्चित करने में सफल हो सकेंगे।''

झारखंड के साथ निधि आवंटन में कोई भेदभाव नहीं: रामदास आठवले

रांची, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार निधि आवंटन में झारखंड के साथ कोई भेदभाव नहीं कर रही और वह समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आठवले ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार "सबका साथ, सबका विकास" के मंत्र के साथ सभी समुदायों के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, "झारखंड को केंद्र के पैसा नहीं भेजने का आरोप गलत है। कोई भेदभाव नहीं होता है।" आठवले ने कहा कि पूरे देश में 57.3 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए हैं, जिनमें झारखंड के 2.2 करोड़ खाते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत पूरे देश में लगभग 56.31 करोड़ लाभार्थियों को ऋण दिया गया, जिनमें 1.65 करोड़ लोग झारखंड के हैं। आठवले ने कहा, "उज्ज्वला योजना के तहत झारखंड में कुल 39.19 लाख एलपीजी कनेक्शन दिए गए, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य में 1.65 लाख से अधिक घर आवंटित किए गए।" सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले से राज्य के ओबीसी छात्रों के लंबित छात्रवृत्ति मामलों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा कि झारखंड के एसटी, एससी और ओबीसी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने यह मामला उनके सामने उठाया था। उन्होंने कहा, "मैंने अधिकारियों से बात की, और उन्होंने मुझे बताया कि छात्रवृत्ति की राशि मंजूर कर दी गई है तथा जल्द ही झारखंड को जारी कर दी जाएगी।" मंत्री ने इस बीच झारखंड में अपनी पार्टी, आरपीआई (ए) की एक इकाई स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने शिव ओरांव को प्रदेश अध्यक्ष, सिकंदर ओरांव को उपाध्यक्ष और पूनम सिंह को पार्टी की महिला शाखा का प्रमुख नियुक्त किया। उन्होंने कहा, "हमारी पार्टी की स्थापना महाराष्ट्र में हुई थी, लेकिन इसकी 28 राज्यों में इकाइयां हैं। हालांकि, हम फिलहाल हर जगह चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं हैं, लेकिन हम संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।" आठवले ने नितिन नवीन को भाजपा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और विश्वास जताया कि वह अपनी पार्टी को नयी ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा नीत वाली राजग पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाएगा।

अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा डीआरडीओ: शीर्ष अधिकारी

बेंगलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिनमें आत्मनिर्भरता और भविष्य के युद्ध क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। डीआरडीओ के महानिदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रणाली) बी. के. दास ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर कॉन्फ्रेंसदृ इंडिया (ईडब्ल्यूसीआई) के इतर 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में दास ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक युद्ध से जुड़े सभी हितधारकों –उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानोंकृको एक मंच पर लाना है, ताकि तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम किया जा सके। उन्होंने कहा, "मुख्य उद्देश्य देश के पूरे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर इकोसिस्टमकृउद्योग, अकादमिक जगत और शोध संस्थानोंकृको एकजुट करके इस उभरते युद्ध क्षेत्र में एक साझा उद्देश्य के लिए काम करना है।"दास ने बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत वैश्विक भागीदारी और स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को गति मिल रही है। भविष्य की परियोजनाओं पर उन्होंने कहा कि डीआरडीओ उन्नत तकनीकों पर काम कर रहा है, जो आने वाले दशकों में युद्ध की परिभाषा बदल देंगी।

ओडिशा के हीराकुड जलाशय में 4.21 लाख प्रवासी पक्षी पहुंचे

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा के संबलपुर जिले में स्थित हीराकुड जलाशय में सर्दी के इस मौसम में 4.21 लाख से अधिक पक्षी पहुंचे और यह पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। हीराकुड वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ अंशु प्रज्ञान दास ने मंगलवार को बताया कि छत्तीसगढ़ सीमा तक फैले 5.72 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में स्थित जलाशय में की गई पक्षियों की गणना के दौरान पांच नई प्रजातियों सहित 128 प्रजातियों के कुल 4,21,763 पक्षियों की संख्या दर्ज की गयी। उन्होंने कहा कि पक्षियों की तीन सबसे अधिक संख्या वाली प्रजातियां टफ्टेड डक (71,273), लेसर व्हिसलिंग डक (60,987) और कॉमन कूट (51,665) थीं। दास ने बताया कि गणना के दौरान देखी गई पांच नई प्रजातियां रड्डी क्रेक, ग्रेटर पेंटेड–स्नाइप, पेंटेड स्टॉर्क, लिटिल गल और सैंडरलिंग थीं। हर साल कैस्पियन सागर, बैकाल झील, अरल सागर, मंगोलिया, मध्य और दक्षिणपूर्व एशिया और हिमालय से हजारों पक्षी नवंबर से मार्च तक हीराकुड जलाशय में पहुंचते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले शीतकाल में जलाशय में 122 प्रजातियों के 3. 77 लाख से अधिक पक्षी आए थे। इसी प्रकार 2024 में 113 प्रजातियों के 3.42 लाख से अधिक पक्षी आए।

डॉलर के सामने झुकता रुपया और महंगाई का बढ़ता बोझ

उमेश जोशी

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की लगातार गिरावट अब केवल मुद्रा बाजार की खबर नहीं रह गई है, बल्कि यह देश की व्यापक आर्थिक सेहत का आईना बन चुकी है। जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच रुपए में लगभग 5 से 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और 20 जनवरी 2026 को यह 90.92–90.93 प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार करता दिखा। यह स्तर न केवल ऐतिहासिक निचले बिंदुओं के करीब है, बल्कि नीति–निर्माताओं के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है कि वैश्विक और घरेलू दबावों के सामने अर्थव्यवस्था कितनी संवेदनशील बनी हुई है। बीते वर्ष की शुरुआत में जहां डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति अपेक्षाकृत संतुलित थी, वहीं साल के उत्तरार्ध में वैश्विक घटनाक्रमों और घरेलू कमजोरियों ने मिलकर मुद्रा पर दबाव बढ़ा दिया। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती, भू–राजनीतिक तनाव और विदेशी निवेशकों की सतर्कता ने उभरते बाजारों की मुद्राओं को कमजोर किया। दिसंबर 2025 में रुपया 91.38 तक फिसल गया, जो अब तक का रिकॉर्ड निचला स्तर माना जा रहा है। जनवरी 2026 में भी यह दबाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। रुपए की इस गिरावट का सबसे बड़ा खामियाजा आम अर्थव्यवस्था को भुगतना पड़ रहा है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। रुपए के कमजोर होने से कच्चा तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं का आयात महंगा हो रहा है, जिसका सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। पेट्रोल–डीजल से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं तक, बढ़ती कीमतें आम आदमी की क्रय शक्ति को लगातार कमजोर कर रही हैं। पहले से महंगाई के दबाव में जी रहे मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए यह स्थिति और कठिन होती जा रही है। व्यापार घाटा भी इस गिरावट का एक अहम पहलू है। आयात महंगा होने और निर्यात से अपेक्षित लाभ न मिल पाने के कारण घाटा और गहराता जा रहा है। कमजोर रुपए से निर्यात को सैद्धांतिक रूप से बढ़ावा मिलना चाहिए था, लेकिन वैश्विक मांग में सुस्ती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक अनिश्चितता के कारण यह फायदा सीमित ही रहा है। इसके साथ ही डॉलर में लिया गया विदेशी कर्ज भी अब ज्यादा महंगा साबित हो रहा है। कंपनियों और सरकार दोनों के लिए कर्ज चुकाने की लागत बढ़ी है, जिससे राजकोषीय दबाव साफ दिखाई देता है।

सामाजिक स्तर पर भी इसके प्रभाव नजर आ रहे हैं। विदेश में पढ़ाई कर रहे छात्रों, चिकित्सा के लिए विदेश जाने वालों और आम पर्यटकों के लिए खर्च अचानक बढ़ गया है। डॉलर महंगा होने का सीधा असर इन वर्गों की जेब पर पड़ रहा है, जो इस गिरावट को केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि रोजमर्रा की वास्तविक समस्या बना देता है। यह सही है कि कमजोर रुपए से निर्यातकों, खासकर आईटी और फार्मा क्षेत्र को कुछ लाभ मिलता है, लेकिन मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में यह लाभ अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए पर्याप्त नहीं है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डॉलर बिक्री, तरलता प्रबंधन और अन्य मौद्रिक उपायों से हालात संभालने की कोशिश की है, जिससे अत्यधिक उतार–चढ़ाव पर कुछ हद तक रोक लगी है। परंतु स्थायी समाधान केवल अस्थायी हस्तक्षेप से संभव नहीं होगा। दरअसल, रुपए की मजबूती अंततः घरेलू आर्थिक आधार, निवेशकों के भरोसे, निर्यात क्षमता और वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। मौजूदा गिरावट यह स्पष्ट संकेत देती है कि अर्थव्यवस्था को केवल बाजार की ताकतों के सहारे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए ठोस नीतिगत सुधार, उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने वाली रणनीति तथा आर्थिक संतुलन को मजबूत करने वाले दीर्घकालिक कदम अनिवार्य होंगे।

कांग्रेस आलाकमान के बुलावे पर दिल्ली जाऊंगा : नेतृत्व मुद्दे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान उनके और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से जुड़े नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बुलाता है तो वह नयी दिल्ली जाएंगे। सिद्धरमैया ने दिल्ली जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा, "अगर कांग्रेस आलाकमान मुझे बुलाता है, तो मैं जाऊंगा।" कांग्रेस सरकार द्वारा 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री पद में संभावित बदलाव की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी में 'नेतृत्व की खींचतान' तेज हो गई है। सरकार के 2023 में गठन के दौरान सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित "सत्ता–साझाकरण" समझौते ने इस अटकल को और हवा दी है। सोमवार को दिल्ली से लौटे शिवकुमार ने संकेत दिया कि उनके और सिद्धरमैया के नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान की उपस्थिति में चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि फैसला ले लिया गया है और "समय सब बातों का जवाब दे देगा"। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने दावा किया है कि उन्हें सिद्धरमैया समेत सत्ताधारी दल के सभी 140 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य के बजट की तैयारी 22 से 31 जनवरी तक निर्धारित विधानसभा के संयुक्त सत्र के बाद शुरू होगी। उन्होंने कहा, "22 जनवरी से राज्य विधानसभा का संयुक्त सत्र शुरू होगा। इसके साथ ही मनरेगा पर विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ–साथ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को बहाल करने संबंधी प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद बजट तैयार करने का कार्य शुरू होगा।" आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 2026–27 का बजट मार्च में पेश किए जाने की संभावना है। सिद्धरमैया ने पहले कहा था कि वे पिछले साल मार्च में पेश किए गए अपने 16वें बजट के बाद अगले साल अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश करेंगे।

एमवीए को नगर निकाय चुनाव साथ मिलकर लड़ना चाहिए था: सुले

मुंबई, (भाषा) हाल में हुए नगर निकाय चुनावों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने विपक्ष द्वारा आत्मनिरीक्षण किए जाने की आवश्यकता जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) को साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए था। बारामती से सांसद सुले ने 1992 में कांग्रेस की भारी जीत का हवाला देते हुए कहा कि रिकॉर्ड बताते हैं कि सत्तारूढ़ दल ही नगर निकाय चुनाव जीतते हैं। राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में हुए चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2,869 सीटों में से सबसे अधिक 1,425 सीटें जीतीं, शिवसेना ने 399 और राकांपा ने 167 सीटें जीतीं। एमवीए में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल हैं।

बाल कथा– बन गई बिगड़ी बात

नीरज के पिताजी कंजूस प्रवृत्ति के थे। यद्यपि उनकी दुकान पर ग्राहकों की भीड़ लगी रहती थी, फिर भी वे अपने नौकरों को बहुत कम वेतन देते थे। इसके साथ ही वे किसी पर विश्वास भी नहीं करते थे। एक दिन उन्हें कुछ आवश्यक काम से बाहर जाना पड़ा, उन्होंने नीरज से कहा–'मैं कल बाहर जा रहा हूं, इसीलिए तुम दुकान पर होशियारी से बैठना। दुकान छोड़कर इधर उधर मत घूमना। दूसरे दिन नीरज ने समय से दुकान खोली और होशियारी से लेन–देन करने लगा। शाम को अचानक उसे कुछ जरूरी काम से घर जाना पड़ा। घर जाते समय उसने दुकान के सबसे पुराने नौकर राजू से कहा–'तुम दुकान देखते रहो। मैं कुछ देर में आता हूं। वह घर गया और जल्दी ही वापस आकर दुकान पर बैठ गया। पिताजी बाहर से लौटे तो उसने एक परिचित ने उनसे कहा–क्या कल आप बाहर गए थे? हां, क्यों पूछ रहे हो? पिताजी ने पूछा। उस आदमी ने कहा कि कल दुकान पर कोई नहीं बैठा था। यह सुनकर पिताजी को बड़ा आश्चर्य हुआ। उन्होंने कहा कि दुकान पर नीरज जरूर रहा होगा परन्तु उस आदमी ने कहा कि उसे अच्छी तरह से याद है कि दुकान पर उन दोनों में तो कोई नहीं था।

उस आदमी के जाने के बाद पिताजी ने राजू से पूछा। वह चुप रह गया। इस पर उन्होंने डांटते हुआ पूछा तो उसने बताया कि एक बार नीरज कुछ देर के लिए घर गया था। यह सुनकर पिताजी को नीरज पर बहुत गुस्सा आया। रात को दुकान बन्द करके वे घर गये तो नीरज से पूछा कि उस दिन तुमसे दुकान पर बैठने के लिए कहा था या घूमने के लिए।

नीरज ने बताया कि जरूरी काम होने की वजह से वह कुछ देर के लिए घर आया था परन्तु पिताजी उसकी बात से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने उसे फिर डांटा तो मां ने कहा कि लड़का है। अगर कुछ देर के लिए घर चला आया तो क्या हो गया।

पिताजी ने कहा कि पता नहीं, राजू ने उतनी देर में कितना सामान बेचा और कितना रूपया बक्से में न रखकर अपने पास रख लिया। मां ने कहा कि आप बेकार परेशान हैं। राजू एक सच्चा और पुराना नौकर है। आज तक उसने कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे इसकी ईमानदारी पर शंक की जा सके।

पिताजी चुप हो गए। दूसरे दिन उन्होंने राजू से पूछा कि उस दिन कितने रूपये का सामान बेचा था तो उसने कहा कि अब याद नहीं है। राजू के इस उत्तर से उनका शक और बढ़ गया। उन्होंने सोचा कि राजू ने जरूर कोई गड़बड़ी की होगी। अब वे इस बात को सोचकर दिन भर परेशान होते रहे। उन्होंने सोचा कि बेकार ही उस दिन मैं बाहर चला गया।

एक दिन पिताजी को बुखार आ गया परन्तु उन्होंने घर में किसी को नहीं बताया। वे सोचते थे कि डॉक्टर के पास जाऊंगा तो पैसा खर्च होगा परन्तु दो दिन बाद कमजोरी के कारण उन्हें सुबह उठने में देर हुई तो नीरज उनको जगाने गया। उसने देखा कि पिताजी का शरीर गर्म था। उसने कहा–'पिता जी, आपको बुखार है, परन्तु आपने हम लोगों को नहीं बताया। अगर मैं बताता तो तुम लोग परेशान होते। बुखार है, दो–तीन दिन में अपने आप ही उतर जाएगा।' पिताजी ने कहा। नीरज ने डॉक्टर को बुलाने के लिए कहा परन्तु पिताजी ने मना कर दिया। कुछ देर बाद उसने दुकान खोलने के बारे में पूछा तो पिताजी ने कहा कि दुकान बन्द रहेगी।

नीरज ने कहा कि चाभी दे दीजिए, दुकान पर मैं बैठूंगा। पिताजी ने कहा–उस दिन जब मैं बाहर गया था तो तुम नहीं बैठ सके। अब क्या बैठोगे? जब मैं ठीक हो जाऊंगा तब बैठूंगा। दूसरे दिन जब तबियत और बिगड़ने लगी तो नीरज चुपचाप एक डॉक्टर को बुला लया। डॉक्टर साहब ने उन्हें देखने के बाद कहा–अगर एक दो दिन और नहीं दिखाते तो बीमारी काफी बढ़ जाती। डॉक्टर ने दवा लिख दी। दूसरे दिन डॉक्टर साहब फिर देखने आए तो पिताजी ने उनसे पूछा आपने इतनी मंहगी दवा क्यों लिख दी।

अगर आप पहले दिखा लेते तो सस्ती दवा से आराम मिल जाता। आपकी लापरवाही से बीमारी बढ़ गई और ऐसी दवा लिखनी पड़ी। डॉक्टर साहब ने बताया।

डॉक्टर साहब की बात सुनकर पिताजी उदास हो गए। उनके जाने के बाद नीरज ने कहा, 'पिताजी, मैं कब से डॉक्टर को दिखाने के लिए कह रहा था, परन्तु आप नहीं माने। उधर कई दिनों से दुकान भी बंद है। अगर आप कहें तो कल से मैं दुकान खोलकर बैठा करूं। आप मुझ पर विश्वास कीजिए। मैं दुकान छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा।'' अब नीरज की मां ने कहा–आपके अविश्वास के कारण कई दिनों से दुकान बन्द है जिससे नुकसान हो रहा है। इसी तरह कंजूसी के कारण आप कमजोर हो गए हैं। अगर शुरू में ही डॉक्टर को दिखाकर दवा ले लेते तो बीमारी नहीं बढ़ती। नौकरों पर अविश्वास करने से दुकान नहीं चल सकती। दूसरों पर विश्वास करना चाहिए। अब पिताजी को उनकी बात समझ में आ गई और उन्होंने नीरज को दुकान खोलने की अनुमति दे दी। उन्होंने कहा कि बेकार ही राजू पर शक किया था।

गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ जाने वाली भीड़ की सुगम आवाजाही के लिए तकनीक–आधारित यातायात योजना

नयी दिल्ली, (भाषा) कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार सूचनात्मक वीडियो से लेकर 'कार–कॉलिंग' प्रणाली तक दिल्ली यातायात पुलिस ने गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए कर्तव्य पथ आने वाले लोगों की सुगम आवाजाही और बाधा–मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई तकनीक आधारित उपाय लागू किए हैं। 'कार–कॉलिंग' एक ऐसी व्यवस्था है, जिसका इस्तेमाल बड़े आयोजनों या भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वाहनों को सुव्यवस्थित तरीके से बुलाने के लिए किया जाता है। यातायात पुलिस ने पहली बार एआई की मदद से विस्तृत एनिमेटेड वीडियो तैयार किए हैं, जिनमें आमंत्रित अतिथियों के आगमन, उतरने, प्रस्थान और पार्किंग की पूरी योजना को दर्शाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इन वीडियो का उद्देश्य आगंतुकों को पहले से ही आवाजाही और पार्किंग व्यवस्थाओं से परिचित कराना है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि ये वीडियो रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आमंत्रित अतिथियों को जारी किए गए क्यूआर–कोड आधारित पार्किंग प्रणाली के जरिए भी देखे जा सकते हैं। इनमें आयोजन के दिन आगमन, गाड़ी से उतरने और पार्किंग की व्यवस्था को विस्तार से समझाया गया है। पुलिस ने बताया कि पार्किंग प्रबंधन प्रणाली में 22 पार्किंग स्थल शामिल हैं, जिनमें लगभग 8,000 वाहनों को खड़ा किया जा सकता है। पुलिस के अनुसार, हर वर्ष गणतंत्र दिवस परेड के लिए करीब 77,000 पास जारी किए जाते हैं, जिनमें से लगभग 8,000 पास निजी वाहनों से आने वालों के लिए निर्धारित होते हैं। इस वर्ष एक और नई पहल के तहत गणतंत्र दिवस ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के लिए शटल सेवा शुरू की गई है। ये शटल सेवा खान मार्केट, अमृता शेरगिल मार्ग, पटेल चौक मेट्रो स्टेशन और एचसी माथुर लेन से संचालित होंगी और हर 10 मिनट के अंतराल पर कर्मियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। आमंत्रित अतिथि और टिकट धारक गणतंत्र दिवस के दिन अपने निर्धारित पार्किंग स्थल तक पहुंचने के लिए गूगल मैप या मैपप्ल्स का उपयोग कर सकते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये मंच कर्तव्य पथ तक पहुंचने के लिए उपयुक्त मार्ग और आवंटित पार्किंग स्थान की सटीक जानकारी प्रदान करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल सुविधाओं के अलावा यातायात पुलिस ने ज़मीनी स्तर पर सहायता भी बढ़ाई है। इस वर्ष प्रमुख स्थानों पर 12 सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि पहले यह संख्या केवल दो थी। इन सहायता केंद्रों पर तैनात कर्मचारी पार्किंग, पैदल यात्री मार्ग और सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद भीड़भाड़ से बचने और आमंत्रित अतिथियों की सुचारु निकासी के लिए इस वर्ष 'कार–कॉलिंग' प्रणाली भी शुरू की गयी है। इसके तहत आमंत्रित व्यक्ति निकास द्वार पर तैनात अधिकारी को सूचना दे सकते हैं, जिसके बाद वाहन नंबर या चालक के नाम की घोषणा की जाएगी। यह सूचना पार्किंग स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों के माध्यम से दी जाएगी। पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजीव कुमार ने कहा कि इस वर्ष वाहनों और पैदल यात्रियों की सुचारु आवाजाही और राष्ट्रीय समारोह में शामिल होने वालों के अनुभव को सहज बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए 26 जनवरी को एक नियंत्रण कक्ष भी संचालित रहेगा, जहां पुलिस, यातायात पुलिस, अग्निशमन सेवा और अन्य आपात एजेंसियों के अधिकारी तैनात रहेंगे। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे आधिकारिक परामर्शों का पालन करें, जहां तक संभव हो सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और कर्तव्य पथ तक सुगम यात्रा के लिए 'डिजिटल नेविगेशन टूल्स' पर भरोसा करें।

छोटी इलायची, दालचीनी, लालमिर्च, मेथीपत्ता, चिरौंजी, मखाना, बादामगिरी, पिस्ता, में तेजी – बड़ी इलायची, जायफल, जावित्री, हल्दी, अंजीर, में मंदा

नई दिल्ली, (एनएनएस) गत सप्ताह ग्राहकी निकलने से छोटी इलायची, दालचीनी, लालमिर्च, जीरा, धनिया, मेथीदाना, मेथीपत्ता, चिरौंजी, मखाना, बादामगिरी, पिस्ता, चिलगोजा में तेजी दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर आपूर्ति बढने़ से बड़ी इलायची, जायफल, जावित्री, हल्दी, अमचूर, मगज तरबूज, अंजीर के भाव नरम बोले गए। आलोच्य सप्ताह नीलामी केंद्रों में छोटी इलायची की आवक घटने तथा निर्यात मांग निकलने से इसकी कीमतों में 100 रुपए की तेजी आने से एवरेज के भाव बढ़कर 2300/2400 रुपए प्रति किलो हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर दालचीनी का पुराना स्टॉक भी मंडियो में कम बताया जा रहा है। आयत महंगा होने से इसके भाव 5 रुपए बढ़कर 230/250 रुपए प्रति किलो बोले गए। उधर लालमिर्च में मांग अधिक होने एवं आवक कम आने से गुंटूर, खमम का नया माल कम आ रहा है। इंदौर लाइन से भी कम आ रहे हैं। और जो माल आ रहा है उसकी क्वालिटी नरम बनी हुई है। इसकी कीमतों में 1000 रुपए की तेजी आने से 334 नंबर क भाव बढ़कर 15500/17000 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

जीरे की कीमतों में तेजी का रुख बना रहा। ऊंझा मंडी में तेजी के समाचार से 200 रुपए की तेजी आने से इसके भाव बढ़कर 22800/23200 रुपए प्रति क्विंटल हो गए है। इसके अलावा धनिया में ग्राहकी का समर्थन से 200 रुपए की तेजी पर बादामी माल 10300/10600 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। मेथीदाना के भाव भी 100 रुपए बढ़कर 6700/6800 रुपए प्रति किलो हो गए है। इसके अलावा मेथीपत्ता की कीमतों में 1000/1500 बढ़कर 7500/9500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। चिरौंजी की कीमतों में भी मांग निकलने से 150 रुपए बढ़कर 1550/1750 रुपए प्रति किलो हो गए है। इसके अलावा मखाना उत्पादक मंडियो में तेज समाचार से 50/75 रुपए की जोरदार बढ़ोतरी से भाव 1000/1450 रुपए प्रति किलो बोले गए। उधर बादामगिरी के बाजार में बुकिंग बढने़ से तेजी का रुख बना हुआ है। इसके भाव 15 रुपए बढ़कर 840/845 रुपये प्रति किलो हो गए। आयात प्रभावित होने की आशंका से पिस्ता के भाव भी 150 रुपए बढ़कर 2050/2150 रुपए प्रति किलो बोले गए। चिलगोजा की कीमतों में भी ग्राहकी मजबूत निकलने से इसकी कीमत 1000 रुपए बढ़कर 3600/3900 रुपए प्रति किलो हो गई है। वहीं दूसरी ओर बड़ी इलायची की सटोरियों की बिकवाली से 20 रुपए घटकर 1670/1680 रुपए प्रति किलो बोले गए। जायफल की कीमतों में ग्राहकी कमजोर निकलने से 10 रुपए घटकर 780/790 रुपए प्रति किलो रह गए। इसके अलावा जावित्री लाल में 50 रुपए घटकर 2000/2250 रुपए प्रति किलो रह गई है। हल्दी की कीमतों में तेजी के बाद बाजार थोड़ा नरम हुआ है। क्योंकि इस समय ग्राहकी का समर्थन नहीं मिल रहा है। जिस कारण 400/500 रुपए गिरकर इरोड ग–ा के भाव 16100/16200 रुपए प्रति क्विंटल रह गए। इधर अमचूर की कीमतों में भी लिवाली सुस्त रहने से खापटा के भाव 8000/9000 रुपए प्रति क्विंटल रह गए है। मगज तरबूज सट्टेबाजी से नरमी रही। इसके भाव 15 रुपए घटकर 500/500 प्रति किलो बोले रहे। इसके अलावा अंजीर सस्ता आयात से 1000 रुपए की मंदी आने से सामान्य के भाव घटकर 27000/30000 रुपए प्रति 40 किलो रह गए है।

पैराफिन वैक्स टिटेनियम डाइऑक्साइड कॉपर सल्फेट में तेजी– पारा सोडाएश, फिटकरी ग्लिसरीन मेंथा ऑयल में मंदा

नई दिल्ली, (एनएनएस) गत सप्ताह आपूर्ति घटने से पैराफिन वैक्स टिटेनियम डाइऑक्साइड कॉपर सल्फेट में तेजी बनी रही। वहीं पारा सोडा एश फिटकरी ग्लिसरीन एवं मेंथा ऑयल में ग्राहकी कमजोर होने से बाजार दबे रहे। अन्य रसायनों में व्यापार कमजोर रहा। आलोच्य सप्ताह रिफाइनरी कंपनियों से पैराफिन वैक्स की आपूर्ति घटने तथा सिंथेटिक वैक्स की शॉर्टेज बन जाने से यहां 500 रुपए बढ़कर रेसीड्यू वैक्स 60000 रुपए एवं स्लैक वैक्स 74000 रुपए प्रति टन पर जा पहुंचे। इंडियन माल भी 10 रुपए बढ़कर 135/140 रुपए प्रति किलो हो गया। इसके अलावा चीन में बुकिंग रेट बढ़ जाने से टिटेनियम डाइऑक्साइड 2 रुपए और बढ़कर चीन एनाटिस के भाव 232 रुपए एवं रूटाइल 247 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गए। टीटीके एनाटिस के भाव भी 227 रुपए पर 2 रुपए तेज बोले गए। इधर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉपर के लगातार भाव बढने़ से यहां कॉपर सल्फेट का उत्पादन घट गया है। इसके प्रभाव से 10 रुपए और बढ़कर 370/400 रुपए प्रति किलो क्वालिटी अनुसार भाव हो गए। दूसरी ओर पिछले दिनों की आई तेजी के बाद मुनाफा वसूली बिकवाली चलने से पारा 500 रुपए और गिरकर 33000 रुपए प्रति किलो पर आ गया। सोडा एश एवं फिटकरी भी बढ़े हुए भाव में ग्राहकी कमजोर होने से 25 रुपए गिरकर 1575 रुपए प्रति 50 किलो रह गए। कास्टिक पोटाश भी स्टॉकिस्टों की बिकवाली से 50 रुपए घटकर 4450 रुपए रह गया। कपूर स्लैब मिलावटी माल चौतरफाबिकने से 20 रुपए घटकर 770 रुपए एवं पाउडर 660 रुपए प्रति किलो पर आ गए। मेंथा आयल में भी सिंथेटिक माल की बिक्री सस्ते भाव में होने से 20 रुपए की गिरावट पर 1200 रुपए प्रति किलो जीएलसी के भाव रह गए। बोल्ड लैक एवं डीएमओ में भी इसी अनुपात में गिरावट दर्ज की गई।

टिन इंगट, निकिल, कॉपर, पीतल, जस्ता, अल्युमिनियम में तेजी

नई दिल्ली, (एनएनएस) गत सप्ताह लंदन मेटल एक्सचेंज के तेज समाचार आने एवं खपत वाले उद्योगों की मांग निकलने से टिन इंगट कॉपर पीतल निकिल अल्युमिनियम जस्ता में सरपट तेजी का रुख बना रहा तथा आयातक आगे के सौदे बेचने से पीछे हट गए, इसे देखते हुए अभी और तेजी की संभावना बन गई है। आलोच्य सप्ताह दिल्ली सहित अन्य मंडियों में टिन इंगट की भारी कमी बनने तथा लंदन मेटल एक्सचेंज के तेज समाचार से आयातक अनाप–शनाप बढ़ाकर बंदरगाहों एवं मंडियों में बोलने लगे। इसके प्रभाव से स्थानीय अलौह धातु बाजार में टिन इंगट की भारी शॉर्टेज बन जाने से यहां इंडोनेशिया का टिन इंगट 4075 रुपए से छलांग लगाकर 4600 रुपए प्रति किलो जीएसटी अतिरिक्त बिक गया। अफ्रीका आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के माल भी 4550/4575 रुपए के बीच बोले गए। मुनाफावसूली बिकवाली से सप्ताहह के अंत में 150 रुपए प्रति किलो टूट गया। इसके अलावा निकिल भी माल की शॉर्टेज बनने तथा आयात महंगा हो जाने से रसियन 1510 से छलांग लगाकर 1660 रुपए प्रति किलो हो गया। नार्वे के भाव भी इसी अनुपात में बढ़कर 1680/1685 रुपए तक बोले गए। इधर कॉपर में भारी सट्टेबाजी के बीच सप्ताहांत में तेजी लिए बाजार बंद हुए, जो कॉपर आर्मेचर प्लांट का 1106 रुपए प्रति किलो सप्ताह के शुरुआत में बिका था, वह कई बार ऊपर नीचे होकर सप्ताहांत में 1124 रुपए प्रति किलो हो गया। सीसी रॉड के भाव भी 1220 से बढ़कर 1240 रुपए प्रति किलो हो गई। ऊपर में 1250 रुपए तक भी व्यापार सुना गया। आर्मेचर भी सप्ताह के मध्य में 1232 रुपए तक प्लांट का बिक गया था। इधर पीतल भी जामनगर मंडी तेज होने से हैदराबाद एवं पुणे लाइन का माल जामनगर एवं जगाधरी मंडी में ज्यादा चला गया, जिससे यहां माल कम आने से 4 रुपए बढ़कर पुर्जा 644 रुपए, चादरी देसी 666 रुपए, रेडिएटर 526 एवं हनी 683 रुपए प्रति किलो जीएसटी अतिरिक्त की ऊंचाई पर जा पहुंचे। गन मेटल में भी 2 रुपए प्रति किलो की बढ़त लिए व्यापार सुना गया। इधर सीसा भी खपत वाले उद्योगों की लिवाली से एक रुपए और बढ़कर मुलायम 186/204 रुपए एवं सख्त 196/214 रुपए प्रति किलो हो गया। सत 4 प्रतिशत एंटी मनी वाला माल 205/214 रुपए की ऊंचाई पर पहुंच गए। इधर जस्ता भी आयात महंगा होने से हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा 6 बढ़ाकर 321 रुपए प्रति किलो कर दिया। इसी अनुपात में ऑस्ट्रेलिया एवं जापान के भाव भी तेज बोले गए। पीएमआई में भी एक रुपए की बढ़त लिए व्यापार सुना गया। अल्युमिनियम भी हाजिर माल की कमी होने से 3 रुपए बढ़कर सीजी इंगट 323 रुपए प्रति किलो हो गया। वायर स्क्रैप भी 2 रुपए की बढ़त पर 279 रुपए, शीट कटिंग 274 रुपए हो गए। बर्तन भी एक रुपए बढ़कर 231 रुपए एवं पुर्जा 206 रुपए बिक गया। कंपनी की रॉड 328 से बढ़कर 332 रुपए प्रति किलो हो गई। अन्य अलौह धातुओं में मिला–जुला रुख रहा।

मकई में लाभ के लिए कुछ दिन प्रतीक्षा करना पड़ेगा

नई दिल्ली, (एनएनएस) एमपी में मक्की की आवक इस समय घट गई है, क्योंकि अब वहां कच्ची मंडियों के व्यापारी माल रोकने लगे हैं। मंडियों में अक्टूबर की बरसात होने से बढिया़ मक्की नहीं मिल पा रही है। अतः चावल के साथ–साथ मकई में एथेनॉल कंपनियों की लिवाली से भविष्य में फिर तेजी की संभावना दिखाई दे रही है। वर्तमान में 'वर्ल्ड ट्रेड वास्य चल रहा है, इसके अंतर्गत तरह–तरह का व्यवधान अमेरिका भारतीय व्यापार पर लगा रहा है, इसके बावजूद भी उन बाधाओं को पार करते हुए भारत, विश्व के तीसरे आर्थिक स्थिति में पहुंच गया है। मकई में पिछले 3 महीने से कारोबार, दलदल में फंसा हुआ है, लेकिन वर्तमान भाव पर अब घटने की गुंजाइश नहीं है, क्योंकि डीजल पेट्रोल की उपलब्धि अधिक करने के लिए इथेनॉल कंपनियों को चावल के साथ–साथ मक्की की भी जरूर अधिक पडने़ वाली है। अतः मक्की की इंडस्ट्रियल मांग बढ़ेगी। मक्की की फसल रबी एवं खरीफ सीजन में प्रांतवार यूपी एमपी महाराष्ट्र राजस्थान एवं बिहार में आती है। इसका उत्पादन दोनों सीजन को मिलाकर 138–139 लाख मीट्रिक टन का अनुमान लगाया गया है। सबसे बड़ी फसल बिहार के दरभंगा बेगूसराय खगडिया़ मानसी सेमापुर जमालपुर गुगड़ी लाइन में गर्मी में हाइब्रिड मक्की आती है, जो सकल उत्पादन का 77–78 प्रतिशत अकेले उत्पादन होता है। वहां गत सीजन में फसल के समय बरसात बार–बार होने से माल इस बार हल्की क्वालिटी का ज्यादा आया है तथा बढिया़ क्वालिटी की केवल 40–45 प्रतिशत ही आने से वहां के गोदामों में छोटी–बड़ी कंपनियों का स्टाक इस बार कम हो पाया था। हालांकि बाद में यूपी की मक्की सस्ती बिकने से माल काफी गोदामों में वहां फंस चुका है। इधर यूपी के हाथरस ऊंझानी कासगंज एटा लाइन में मक्की भी हल्के भारी माल आने से कारोबारियों के गले में काफी फंस गया, जिससे नुकसान का सामना करना पड़ा है। मक्की स्टॉक के लिए 13–14 प्रतिशत नमी वाली सीजन में ही 2020/2240 रुपए प्रति कुंतल घाटे में कट चुकी है। अब मंडिया लूज में 1600/1700 रुपए के बीच छिंदवाड़ा बैतूल गंज लाइन में बिकने लगी है। हरियाणा पंजाब पहुंच में यूपी की मकई के पड़ते लग रहे हैं, लेकिन सूखी मक्की नहीं मिलने से कंपनियों को स्टॉक हेतु मिलना मुश्किल हो गया है। वहां की क्वालिटी अच्छी नहीं होने से कारोबारी बढिया़ माल की खरीद केवल कर रहे हैं, इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए भविष्य में मक्की का व्यापार लाभदायक रहेगा। वर्तमान में महाराष्ट्र मध्य प्रदेश राजस्थान की मक्की इससे नीचे जाने की संभावना नहीं है तथा बिहार में बिजाई कम होने की संभावना है तथा इन भाव में स्टॉकिस्ट एवं फार्मर दोनों ही खरीद करने लगे हैं। अतः यहां से आगे चलकर बाजार थोड़ा तेज हो सकता है।

देसी घी एवं दूध पाउडर में ठहराव रहा, किंतु मंदा नहीं

नई दिल्ली, (एनएनएस) देसी घी का उत्पादन बढने़ से कंपनियों द्वारा गत सप्ताह पूर्व स्तर पर व्यापार किया गया, जबकि कंपनियों की अपेक्षा माल बाजार में ग्राहकी सुस्त पडने़ से 100 रुपए प्रति टीन नीचे बिकते देखे गए। दूध पाउडर के भाव भी पूरे सप्ताह टिके रहे। उक्त दोनों उत्पादों में लिक्विड दूध की कीमतों को देखते हुए मंदा नहीं लग रहा है। आलोच्य सप्ताह लिक्विड दूध की आपूर्ति 10 लाख लीटर घटकर 2.40 लाख लीटर दैनिक रह गई, क्योंकि कड़ाके की सर्दी के साथ–साथ मकर संक्रांति एवं मौनी अमावस्या में लिक्विड दूध की 28–30 प्रतिशत खपत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ गई। वह माल प्लांटों में नहीं आ पाया। यही कारण है कि ऊपर में 8800/8925 रुपए प्रति टीन चालू सप्ताह के अंतराल भाव टिके रहे। लिक्विड दूध की आपूर्ति कम के प्रभाव से 3 रुपए लीटर उपर हो गए हैं। अब लिक्विड दूध 56/57 रुपए लीटर क्वालिटी के अनुसार बिकने लगा है। इसे देखकर कंपनियों द्वारा नीचे के भाव से चालू माह के अंतराल 450 रुपए देसी घी के भाव बढ़ा दिए हैं। गत वर्ष इन दोनों इसके भाव 8200/8400 रुपए चल रहे थे।

सरिया सहित सभी फिनिश्ड गुड्स में मांग निकलने से उछाल

नई दिल्ली, (एनएनएस) गत सप्ताह नीचे वाले भाव पर सरिया सहित सभी फिनिश्ड गुड्स में सरकारी व गैरसरकारी भवन निर्माताओं की पकड़ मजबूत बनी रहने से 800 से 1000 रुपए प्रति टन की तेजी आ गई। नई पुरानी नई पुरानी स्क्रैप भी इसी अनुपात में बढ़ाकर बोली गई। आलोच्य सप्ताह यूपी हरियाणा राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के प्लांटों से सरिया की मांग सरकारी व गैर सरकारी निर्माताओं की बढ़ गई, जिस कारण 800 रुपए बढ़कर कामधेनु सरिया 12 एम एम का 63600 रुपए प्रति टन हो गया।

इसी अनुपात में बढ़कर अंबा शक्ति 500 एसडी 63300 रुपए, केवीएस 63000 रुपए, जय भारत अनमोल 62000 रुपए प्रति टन हो गए। इसके अलावा एंगल भी 1000 रुपए बढ़कर राना 44500 रुपए, केवीएस जय भारत 48000 रुपए एवं अनमोल 48500 रुपए प्रति टन हो गए। नई पुरानी स्क्रैप में भी 1000 रुपए प्रति टन की तेजी दर्ज की गई। एक सप्ताह पूर्व कुछ सरिया कीमतें कोष्ठक में तथा वर्तमान की कोष्ठ्क के बाहर दर्शाई गई है। (जीएसटी पेड) कामधेनु 8 एमएम (66300) 67100, 10 एमएम (65700) 66000, 12 एमएम (64800) 63600, 16–25 एमएम (64000) 64800, कामधेनु पीएएस–10000 (पीस) (8 एमएम) 377, (10) 578, (12) 816, (16) 1451, (20) 2269, (25 एमएम) 3542, अम्बा शक्ति (500–एसडी) 8 एमएम (65100) 65900, 10 एमएम (63300) 64200, 12–एमएम (62500) 63300, 16–25 एमएम (63400) 63900, 32 एमएम (62800) 63600, अम्बा शक्ति ट्राईकोर (8 एमएम) (65000) 65800, 10 एमएम (63100) 64000, 12–एमएम (62300) 63100, 16–25 एमएम (62600) 63400, 32 एमएम (62200) 63000, केवीएस टीएमटी बार 8–एमएम (65300) 66100, 10 एमएम (64800) 65700, 12–एमएम (62200) 63000, 16–25 एमएम (64200) 65000, 28–32 एमएम (61800) 62600, टीएमटी जयभारत 8 एमएम (62900) 63700, 10 एमएम (63800) 64700, 12 एमएम (61200) 62000, 16–25 एमएम (62400) 63200, अनमोल (500–एसडी) 8 एमएम (64700) 65500, 10 एमएम (63800) 64700, 12 एमएम (61200) 62000, 16–25 एमएम (63400) 64200, राना एंगल 44500, स्क्रैप पुरानी 37000 रुपए, मैल्टिंग स्क्रैप 39000 रुपए प्रति टन रहे।

हौजरी यार्न में तेजी जारी–कॉटन वेस्ट मजबूत

नई दिल्ली, (एनएनएस) ग्राहकी निकलने से गत सप्ताह के दौरान हौजरी यार्न के भाव 3 रुपए प्रति किलो बढ़ गये। आपूर्ति कमजोर होने से कॉटन वेस्ट की कीमतों में मजबूती का रुख रहा। कताई मिलों की मांग निकलने से जे–34 रूई के भाव 50 रुपए बढ़कर 5500/5625 रुपए प्रति मन हो गये। रूई में तेजी का रुख होने कताई मिलों द्वारा ऊंचे भाव बोले जाने एवं हौजरी निर्माताओं की मांग बढने़ से हौजरी यार्न के भाव 3 रुपए बढ़कर 20 नम्बर के भाव 220/225 रुपए, 30 नम्बर 235/240 रुपए तथा 34 नम्बर के भाव 240/445 रुपए प्रति किलो हो गया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान तथा लोकल की बुनकरों की मांग निकलने तथा 4 कोन 100/105 रुपए, 6 कोन 105/110रुपए, 10 कोन 115/120 रुपए तथा 20 कोन 145/150 रुपए प्रति किलो पर मजबूत रहे। बिकवाली कमजोर होने से 2/20 कोन यार्न के भाव भी 160/165 रुपए प्रति किलो बोले गये। हैंक यार्न में भी ग्राहकी निकलने से मजबूती का रुख रहा। हाजिर में माल की कमी तथा ओपन एंड मिलों की मांग निकलने से लैट स्वीपिंग 95/96 रुपए, बिलो ड्रापिंग 74/75 रुपए एवं कोबर के भाव 121/122 रुपए प्रति किलो पर टिके रहे।

सुतली–हरा पटटा में तेजी जारी

नई दिल्ली, (एनएनएस) सप्लाई कमजोर होने तथा मांग बढने़ से गत सप्ताह के दौरान बारदाना बाजार में सुतली के भाव 200 रुपए प्रति क्विंटल तथा हरे पट्टे के बोरी के भाव 300 रुपए प्रति 100 बोरी बढ़ गये। पुराने बारदाने में भी स्थिरता रही। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के मांग निकलने तथा बिकवाली कमजोर होने हरे पट्ड्टे के बोरी के भाव 300 रुपए बढ़कर 11000 रुपए प्रति 100 बोरी हो गये। कोलकाता के हैसियन के भाव 10000 रुपए बढ़कर 1.90/1.94 लाख रुपए प्रति टन हो गये। कोलकाता के तेज समाचार आने तथा स्टॉकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से हैसियन के भाव 100 रुपए बढ़कर 38 – 6.5 के भाव 3400 रुपए, 34 – 8.12 के भाव 4400 रुपए, 44 – 5.5 के भाव 3400 रुपए तथा 38 – 5 के भाव 2700 रुपए प्रति 91.4 मीटर रह गया। सीमित बिकवाली के कारण सुतली 200 रुपए बढ़कर 3 प्लाई –14 पाउंड के भाव 13800/13900 रुपए तथा 3 प्लाई – 28 पाउंड के भाव 13900/14000 रुपए प्रति क्विंटल हो गये। नये बारदाने में तेजी का रुख होने तथा बिकवाली कमजोर होने से बीड़ी वाले बारदाने के भाव 7200/7300 रुपए तथा प्लास्टिक वाली बोरी के भाव 3200/3300 रुपए प्रति 100 बोरी पर मजबूत रहे।

CENTRE OF EXCELLENCE FOR REGULATORY AFFAIRS IN THE POWER SECTOR LAUNCHED AT IIT DELHI

New Delhi, Focus News: Shri Manohar Lal, Union Minister of Power, Government of India, today inaugurated the Centre of Excellence (CoE) for Regulatory Affairs in the Power Sector at IIT Delhi. The Centre jointly established by IIT Delhi, the Central Electricity Regulatory Commission (CERC) and Grid Controller of India Ltd. (Grid India), marks an important step towards strengthening India's regulatory capacity in a rapidly evolving power sector characterised by growing electricity demand, large-scale renewable energy integration, expanding power markets, and increasing use of digital technologies. The Centre of Excellence is envisaged as a national-level hub for regulatory research, capacity building, advisory support and knowledge dissemination. By locating the Centre within a premier academic institution and anchoring it through close collaboration between the national power regulator and the system operator, the initiative brings together policy, regulation, system operations and academic research in a single institutional framework. The Centre will work closely with CERC and Grid India to identify key regulatory and sectoral challenges, support capacity building and human resource development to strengthen institutional capabilities and promote effective knowledge management and dissemination. It will undertake cutting-edge research with access to global academic and policy networks, while also providing advisory and consultancy support to regulators and other power sector stakeholders. While inaugurating the Centre at IIT Delhi, Manohar Lal said that as India moves towards clean energy, competitive markets and consumer-centric reforms, strong regulation backed by knowledge and research becomes essential. This Centre of Excellence at IIT Delhi will play a key role in supporting informed and forward-looking regulation, he said. The work of the Centre of Excellence will directly support policy and regulatory decision-making by addressing the power sector trilemma of affordability, sustainability, and efficiency. It will strengthen institutional capacity within distribution utilities and regulatory commissions, and equip regulators and policymakers with robust analytical tools and India-wide system models to evaluate regulatory proposals through the lens of consumer welfare, system reliability, and investment signals. At the economy-wide level, the Centre will inform power sector reforms at a critical juncture, as solar and wind energy become mainstream and fundamentally reshape power system planning, operations, and regulatory frameworks. Prof. Rangan Banerjee, Director, IIT Delhi, said that we are delighted to be partnering with CERC and GRID India for this new Centre. The Institute is keen to create new knowledge and analysis that will enable our electricity sector to be sustainable, affordable and future ready. Together we also hope to enable capacity building and enhancement of electricity regulatory organisations and power sector professionals. Addressing the inaugural event at IIT Delhi, Jishnu Barua, Chairman, Central Electricity Regulatory Commission, said that good regulation must be supported by sound analysis, data and long-term thinking. This Centre will help deepen regulatory research and strengthen evidence-based policymaking in the power sector. Meanwhile Shri S C Saxena, Chairman & Managing Director, Grid Controller of India Ltd., said that regulatory frameworks must be aligned with the realities of grid operation.

Jyotiraditya M. Scindia Reviews BSNL's Q3 Performance

New Delhi, Focus News: Union Minister of Communications and Development of North Eastern Region, Shri Jyotiraditya M. Scindia, chaired the Quarter 3 (2025–26) Strategic Review and Planning Meet of Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) in New Delhi, today. Minister of State for Rural Development and Communications, Dr. Chandra Sekhar Pemmasani, Secretary (Telecommunications) Shri Amit Agarwal, Additional Secretary, Shri Gulzar Natarajan, senior officials of the Department of Telecommunications (DoT), and CMD BSNL Shri A. Robert J. Ravi, the Board of Directors and Chief General Managers (CGMs) from across the country, were present at the occasion. The meeting was held at Vigyan Bhawan, New Delhi, with a comprehensive review of BSNL's Quarter-3 performance and key QoS parameters. Union Minister Shri Jyotiraditya M. Scindia emphasized the need to increase BSNL's mobile customer base and ARPU, focus on improvement of QoS parameters and achievement of revenue targets. During the meeting a detailed, circle-wise review was undertaken of the achievement of revenue targets across all service verticals.

Lt Governor Ladakh interacts with Jammu and Kashmir Ice Hockey Team

Leh, Focus News: The Ice Hockey team of Jammu and Kashmir today paid a courtesy visit to the Lieutenant Governor of Ladakh, Shri Kavinder Gupta, at Lok Niwas, Leh. The team is presently in Leh to take part in the prestigious ongoing 6th edition of the Khelo India Winter Games being held in the Union Territory of Ladakh. During the interaction, the Lt Governor extended a warm welcome to the players and officials, and lauded their dedication, discipline and passion for ice hockey. He said that the Khelo India Winter Games have emerged as a significant platform for nurturing winter sports talent and providing national exposure to young athletes, particularly from the Himalayan and cold regions. Shri Kavinder Gupta encouraged the players to give their best performance in the Games and uphold the spirit of sportsmanship, teamwork and excellence. He expressed confidence that such national-level events would further strengthen India's winter sports ecosystem and inspire the youth to actively engage in sports for physical fitness and holistic development. The Jammu and Kashmir Ice Hockey team comprises Shri Shabir Ahmad Dar, Nodal Officer, Shri Sahil Gupta (Coach), Jasvinder Singh, Rahil Choudary, Parth Slathia, Dhruv Gupta, Jaipreet Singh, Surya Bhaskar Sharma, Jaideep Singh, Smaksh Bhardwaj, Varun Anand, Navjot Singh, Hiteshwar Singh, Abhinav Gupta, Krish Upal, Ghulam Nabi Tak, Maroof Gulzar and Salim Ahmad. The players expressed their gratitude to the Lt Governor for his encouragement and support, stating that his interaction boosted their morale ahead of the competitions in the Khelo India Winter Games.

Andaman, Nicobar Islands' biodiversity crucial for environmental and economic security: Dr Jitendra Singh

New Delhi, Focus News: Union Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology, Earth Sciences, and MoS PMO, Personnel, Public Grievances, Pensions, Atomic Energy and Space, Dr. Jitendra Singh has said that Andaman & Nicobar Islands' biodiversity is crucial for environmental and economic security. The Minister was highlighting the strategic importance of island biodiversity, during his visit to the Andaman & Nicobar Regional Centre of the Zoological Survey of India (ZSI) at Sri Vijaya Puram. Addressing scientists and officials, Dr Jitendra Singh said the Andaman & Nicobar Islands represent a "living laboratory of biodiversity", where cutting-edge science must go hand in hand with conservation and sustainable livelihoods. He noted that institutions like ZSI play a critical role in generating authentic scientific data that guides national policies on biodiversity conservation, climate resilience, and ocean-based economic growth. During the visit, the Minister was received by Dr C. Sivaperuman, Scientist-F and Officer-in-Charge, who briefed him on the mandate of the Regional Centre, its ongoing research programmes, and its pivotal contribution to documenting, conserving, and monitoring the unique faunal diversity of the islands. The briefing highlighted ZSI's work in taxonomy, molecular systematics, DNA barcoding, biodiversity assessment, and capacity building. Established in 1977, the Andaman & Nicobar Regional Centre of ZSI has completed five decades of sustained scientific service. It has emerged as a nodal institution for tropical island biodiversity research, having completed nearly 90 research programmes across multiple faunal groups. Scientists of the Centre have published 85 books and over 850 research papers in reputed national and international journals, significantly enriching India's biodiversity knowledge base. Dr Jitendra Singh also visited the ZSI Museum, one of the prominent tourist and educational destinations in the islands, which houses around 3,500 specimens representing 22 faunal groups. He was apprised of the museum's role in public outreach, awareness generation and education, with annual footfall ranging between 75,000 and 1,00,000 visitors, including students, researchers and tourists. The Minister showed keen interest in the curated reference collections, type specimens and exhibits showcasing endemic, endangered and threatened fauna of the archipelago. The Minister was informed that scientists of the Centre have reported more than 20 species new to science, including the Narcondam Tree Shrew, and documented nearly 900 new faunal records from the Andaman & Nicobar Islands, India, and Southeast Asia, underscoring the global significance of the region's biodiversity. Dr Jitendra Singh was also briefed on the role of ZSI, Port Blair as the nodal centre for India's first National Coral Reef Research Institute (NCRRI), aimed at strengthening coral reef research and monitoring in Indian waters. He noted that such focused institutions are vital for safeguarding fragile marine ecosystems and supporting evidence-based marine governance. Interacting with scientists and staff, the Minister emphasized the need for greater integration of scientific research with public policy, conservation planning and community awareness. He said robust scientific institutions are central to achieving India's environmental goals and realizing the full potential of the Blue Economy in a sustainable manner. Expressing his appreciation for the work being carried out at the Centre, Dr Jitendra Singh thanked Dr Sivaperuman and the ZSI team for the detailed briefing and museum walkthrough, describing the visit as "an extremely informative and educative experience." He remarked that well-curated zoological collections not only advance scientific understanding but also inspire public consciousness about India's rich and irreplaceable biodiversity

Dr. Abhilaksh Likhi, Secretary, Department of Fisheries, Visits ICAR-CIBA, Chennai and Interacts with Shrimp Farmers

New Delhi, Focus News: Dr. Abhilaksh Likhi, Secretary, Department of Fisheries (DoF), Government of India, visited the Indian Council of Agricultural Research – Central Institute of Brackishwater Aquaculture (ICAR–CIBA) and its Muttukadu Experimental Station in Chennai, Tamil Nadu. As part of his field engagement, the Secretary interacted with shrimp farmers and entrepreneurs, who shared their success stories, best practices, and challenges encountered at various stages of production, processing, and marketing. Dr. Likhi also visited the Penaeus indicus Genetic Improvement Programme site being implemented by ICAR–CIBA under the Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana (PMMSY). The programme aims to strengthen scientific shrimp breeding in the country through the development of genetically improved stocks of Indian white shrimp (P. indicus). The Secretary interacted with ICAR–CIBA scientists and inspected several research facilities, including finfish, crustacean, ornamental fish, and crab units, as well as the feed mill. The visit provided firsthand exposure to the diverse research, development, and innovation activities being undertaken in the field of brackishwater aquaculture.

The visit of the Union Fisheries Secretary holds particular significance for the shrimp sector, as shrimp is India's leading seafood export commodity, accounting for nearly 70 percent of the country's total seafood exports to about 130 countries. Insights gained from direct interactions with farmers and entrepreneurs will help the Department in framing appropriate policy interventions and measures to ensure the sustained growth of the fisheries sector. The Department of Fisheries, Government of India, has undertaken several initiatives to deepen shrimp markets. Despite the imposition of a 58 percent tariff by the United States, the sector has demonstrated resilience, registering a 21 percent growth in export value and a 12 percent increase in export quantity during April–October 2025. ICAR–CIBA plays a significant role in shrimp feed development and is implementing two major PMMSY-funded projects aimed at advancing scientific aquaculture and improving resource use efficiency. The first project, "Development of Indigenous Shrimp Aquaculture: Genetic Improvement Program of Penaeus indicus," with a total cost of ₹25.04 crore, focuses on developing genetically improved indigenous shrimp lines. The second project, "New Age Shrimp System for Precise Use of Land, Water and Feed," approved at a cost of ₹2.21 crore, aims to promote climate-smart and resource-efficient shrimp farming models. Dr. Likhi reviewed the progress of both initiatives during the visit. To further strengthen India's indigenous and sustainable shrimp feed ecosystem, two Memoranda of Understanding (MoUs) were signed on the sidelines of the visit in the presence of Dr. Abhilaksh Likhi.

The first MoU, between ICAR–CIBA and M/s Selle Hatchery Tech, Marakkanam, pertains to the commercialisation of India's first indigenous shrimp larval feed.

The second MoU, between ICAR–CIBA and M/s BRC Marine Products, Odisha, relates to the use of rice-based Rice Distillers' Dried Grains with Solubles (DDGS) as an affordable and sustainable protein source in shrimp feed for Penaeus vannamei.

ICAR–CIBA has also arranged a drone demonstration in the presence of the Secretary, Department of Fisheries, Government of India, where a live demonstration was conducted for feed spraying and transport. The application of drones in the fisheries sector is being explored, for which the Department of Fisheries has entrusted pilot projects to ICAR–CIFRI, Barrackpore, Kolkata, with a project cost of ₹1.16 crore.

1. Promotion of indigenous shrimp feed production: Shrimp larval feeds currently imported at high costs have long been a constraint for hatcheries, and CIBA's focused research on larval feed formulations has led to the development of a viable indigenous alternative. The pilot scale feeds manufactured at CIBA have been successfully tested for about a year in more than fifty hatcheries across Tamil Nadu and Andhra Pradesh through incubatee partners, demonstrating their efficacy and market potential. Encouraged by these results, M/s. Selle Hatchery Tech will now establish a large scale production facility under the PMMSY scheme using CIBA's technology, marking a significant step toward self reliance in larval feed production.

2. Reduce dependence on costly imports via use of rice-based DDGS as protein source in shrimp feed: The second MoU, signed between ICAR CIBA and M/s. BRC Marine Products, Odisha, focuses on the use of rice based Rice Distillers' Dried Grains with Solubles (DDGS) as an affordable and sustainable protein source in shrimp feed for Penaeus vannamei. DDGS, a by product of rice based ethanol production, has been evaluated by ICAR CIBA as a potential substitute for costly conventional protein ingredients such as soybean meal. Laboratory studies have shown that DDGS can be included in shrimp diets at 7.5 to 10 percent without adverse effects on growth or health. In light of the promising research results, BRC Marine Products requested CIBA's technical support to undertake large scale field trials and technology transfer activities. The initiative is expected to reduce feed costs by 5 to 6 percent while promoting the use of locally available, cost effective ingredients instead of expensive imported protein sources. During the visit, Dr. Likhi also chaired a hybrid meeting with officials from States and Union Territories, including Rajasthan, Haryana, and Uttar Pradesh. In his address, he appreciated ICAR–CIBA's contribution to national aquaculture development and emphasised the importance of coordinated efforts among research institutions, industry partners, and State governments to ensure timely and effective transfer of innovations to farmers. He highlighted the Government of India's focus on indigenous technology development, climate-smart aquaculture, and efficient resource utilisation.During the session, Shri Sagar Mehra, Joint Secretary (Inland), DoF, Government of India; Dr. K.K. lal, Director, ICAR–CIBA; and Dr. J.K. Jena, Deputy Director General (Fisheries), ICAR, made detailed presentations. The formal proceedings began with welcome remarks delivered virtually by Dr. B.K. Behera, Chief Executive, National Fisheries Development Board (NFDB).

233-Year-Old Valmiki Ramayana Gifted to Ram Katha Museum

New Delhi, Focus News: In a landmark cultural handover, Prof. Shrinivasa Varakhedi, Vice Chancellor of the Central Sanskrit University, presented a rare 233-year-old Sanskrit manuscript of the Vālmīkirāmāyaṇam (with the Tattvadīpikāṭīkā) to Shri Nripendra Misra, Chairman of the Executive Council of Prime Ministers Museum and Library at Teen Murti. The manuscript, authored by Ādi Kavi Vālmīki with a classical commentary (ṭīkā) by Maheshvara Tīrtha, is written in Sanskrit (Devanāgarī script). It is a historically significant work dating to Vikrama Saṁvat 1849 (1792 CE) and represents a rare preserved textual tradition of the Rāmāyaṇa. The collection comprises five principal kāṇḍas of the epicBālakāṇḍa, Araṇyakāṇḍa, Kiṣkindhākāṇḍa, Sundarakāṇḍa, and Yuddhakāṇḍa reflecting the narrative and philosophical depth of the Itihāsa.

The manuscript, previously loaned to Rashtrapati Bhavan, New Delhi, has now been permanently gifted to the Antarrashtriya Ram Katha Sangrahalaya (International Ram Katha Museum), Ayodhya, Uttar Pradesh. This significant gesture supports the museum's development as a global centre for Rāmāyaṇa heritage, ensuring wider public access and preservation. Prof. Varakhedi remarked, "This gift immortalizes the profound wisdom of Valmiki Ramayana, making it accessible to scholars, devotees, and visitors worldwide in the sacred city of Ayodhya." Nripendra Misra, Chairman of the Executive Council of PMML said "Donation of this rare manuscript of Valmiki Ramayana to Ram Katha Sangrahalaya at Ayodhya is a landmark moment for the devotees of Ram and the temple complex at Ayodhya.

Pralhad Joshi Urges Global Investors to Partner in India's Rapid Clean Energy Expansion at World Economic Forum 2026, Davos

New Delhi, Focus News: At the World Economic Forum Annual Meeting 2026 in Davos, Union Minister for New and Renewable Energy Pralhad Joshi underscored that the real challenge of the global energy transition lies in building infrastructure that is resilient, scalable and investment-ready. Speaking at the session "Resilient Infrastructure for Growth", the Union Minister highlighted India's experience of combining scale with system resilience, noting that under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, the country has achieved 267 GW of non-fossil fuel capacity as of December 2025 and is firmly on track to meet its 2030 targets. This is backed by robust policies, strong domestic manufacturing, grid modernisation, energy storage solutions and emerging frameworks for geothermal and nuclear energy. He emphasised the need for patient capital, blended finance and deeper collaboration among governments, the private sector and multilateral development banks to enable a sustainable and inclusive global energy transition . Union Minister for New and Renewable Energy Pralhad Joshi also delivered the keynote address at the roundtable "Delivering Sustainability at Scale: Pathways for Global Transformation" in Davos, sharing India's perspective on how sustainability has moved to the core of economic growth and development. Shri Joshi underlined that sustainability is no longer a peripheral concern but a central driver of competitiveness, resilience and long-term growth. He emphasised that the defining challenge of this decade is not whether the world should transition, but how sustainability can be delivered at scale, at speed and in an economically strengthening manner. The Union Minister reiterated India's commitment to achieving net-zero emissions by 2070, stressing that the country's approach is guided by the principle of Vasudhaiva Kutumbakam — One Earth, One Family, One Future. He noted that India views sustainability as a strategic transformation of the economy and society, rather than merely a technological shift, and is pursuing renewables with conviction as the most reliable, affordable and future-ready pathway for growth.

Bilateral Engagements and Meetings with Industry Leaders: In a meeting with H.E. Dr. Said Mohammed Ahmed Al Saqri, Economic Advisor at the Office of the Deputy Prime Minister for Economic Affairs, Oman, the Union Minister highlighted India's proven capability to scale solar, wind, green hydrogen and energy storage solutions, including in arid and desert conditions. Discussions covered potential areas of cooperation like joint collaboration on manufacturing and export of solar modules, electrolysers and green hydrogen, investments in renewable-powered hydrogen hubs, integrated energy projects and port-based export infrastructure, and leveraging the India–Oman CEPA and cooperation under the International Solar Alliance and the One Sun One World One Grid initiative.

DFS Secretary Highlights India's Insurance Growth at IFSCA–IRDAI–GIFT City Global Reinsurance Summit

New Delhi, Focus News: M. Nagaraju, Secretary, DFS, addressed the 3rd Edition of the IFSCA–IRDAI–GIFT City Global Reinsurance Summit in Mumbai, today. The address began by commending the outstanding performance of IFSC GIFT City. The Secretary stated that India stands at the cusp of transformative growth in its reinsurance sector, and that the theme "Bridging India Today, Insuring India Tomorrow – the India Evolution Roadmap" is closely aligned with the vision of "Insurance for All by 2047". The IFSCA–IRDAI GIFT City Global Reinsurance Summit was described by the Secretary as a vital platform that brings together key stakeholders from the financial services sector. Insurance and reinsurance were emphasised as crucial in driving India towards its economic objectives, particularly as the country strengthens its role in the global economy. Referring to the global economic scenario, the Secretary noted that India, with a population of more than 1.46 billion, is the world's largest democracy and, despite challenging global conditions, has emerged as a global player and remains the world's fastest-growing major economy, with growth projected at 6.6 per cent in 2026. On the global insurance scenario, citing the Swiss Re Sigma Report (No. 02/2025), the Secretary said that after strong performance in 2024, premium growth in the global insurance industry is slowing in both life and non-life segments due to global economic slowdown and an unstable policy environment. As per the Swiss Re report, India remained the 10th largest insurance market globally by nominal premium volumes in 2024, with a market share of 1.8 per cent. Insurance penetration stood at 3.7 per cent, with life insurance at 2.7 per cent and non-life at 1 per cent, while insurance density increased marginally to USD 97, indicating significant untapped market potential. The Secretary also indicated that the Indian insurance sector, an integral part of the financial system, plays a significant role in the economy by providing protection against mortality, property and casualty risks, encouraging savings, and providing long-term funds for infrastructure development and other long-gestation projects. During FY 2024–25, the sector issued 41.84 crore policies, collected premiums of ₹11.93 lakh crore, paid claims of ₹8.36 lakh crore, and reported assets under management of ₹74.44 lakh crore as on 31 March 2025. The total reinsurance market in India stood at ₹1.12 lakh crore in 2024–25. The government and the insurance regulator have enabled policy frameworks and structural reforms to further growth and insurance accessibility. Foreign Direct Investment in the insurance sector has been raised to 100 per cent, a new reinsurer was registered last year, and the Sabka Bima Sabki Raksha (Amendment of Insurance Laws) Act, 2025 provides for the formation of a Policyholders' Education and Protection Fund, aligns data protection with the Digital Personal Data Protection Act, 2023, and enhances IRDAI's regulatory powers. Concluding the address, the Secretary highlighted the role of IFSCA in advancing India's aspiration to become a Global Reinsurance Hub. Under the IFSCA Act, 2019, GIFT City IFSC aligns with global counterparts, regulates IFSC Insurance Offices, enables foreign reinsurers to set up branches, harmonises regulations with global standards, and facilitates reinsurance across IFSCs, SEZs, domestic tariff areas, and overseas markets. India's insurance and reinsurance sectors were noted to be on an upward trajectory, with Indian insurers and reinsurers encouraged to tap global opportunities through GIFT City and to work collaboratively with all stakeholders towards achieving "Insurance for All by 2047".

Environment Minister reviews Air Pollution Action Plans of Rohtak, Manesar, Panipat and Karnal

New Delhi, Focus News: Union Minister for Environment, Forest and Climate Change, Shri Bhupender Yadav today chaired a high-level meeting to undertake a detailed review of the Action Plans of Rohtak, Manesar, Panipat and Karnal for tackling air pollution in these National Capital Region (NCR) cities. The Minister expressed concern over the high levels of PM10 and the persistent issues related to solid waste management, including construction and demolition (C&D) waste, particularly in industrial areas. Shri Yadav informed that a meeting with the Hon'ble Chief Minister, Government of Haryana would be convened to address these concerns, including matters related to funding and approvals, on priority. He also emphasised that all NCR cities should be brought under the National Clean Air Programme (NCAP) framework. Reviewing the presentations made by the concerned authorities, Shri Yadav directed that comprehensive data be compiled on industries operating with and without Consent to Establish (CTE) and Consent to Operate (CTO). The Minister directed to issue instructions to all District Magistrates/District Collectors in NCR to collect data on CTO/CTE permissions, total commercial electricity connections, and industrial units with GST registration. These datasets are to be correlated to identify illegally operating and non-compliant industrial units, particularly with respect to OCEMS and Air Pollution Control Device (APCD) installations. The Minister further directed for increasing the number of automated Continuous Ambient Air Quality Monitoring Stations (CAAQMS) integrated with the SAMEER App to enable real-time air quality monitoring.

नवाचार तथा प्रौद्योगिकी जैसे मानकों पर विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता : बिरला

लखनऊ, फोकस न्यूज, लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को बिरला ने उत्कृष्टता, नवाचार तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे मानकों पर राज्य विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। देश भर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यप्रणाली में समाहित करने के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना के प्रयासों की प्रशंसा की। पीठासीन अधिकारियों के 86वें अखिल भारतीय सम्मेलन के दूसरे दिन यहां विधानभवन के मंडप (जहां सत्र की कार्यवाही संचालित होती है) में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस विधानसभा में पहले भी आना हुआ है और उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। बिरला ने उत्कृष्टता, नवाचार तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे मानकों पर राज्य विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर बल दिया। इस संदर्भ में देहरादून में 2019 में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन में हुई चर्चाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य विधायिकाओं की कार्यकुशलता एवं कार्यप्रणाली में सुधार पर अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने बताया कि इस दिशा में एक समिति का गठन किया गया है, जो भारत में विधायी निकायों की प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं के मानकीकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार कर रही है। बिरला ने देश भर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यप्रणाली में समाहित करने के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना के प्रयासों की प्रशंसा की।

कुंभलगढ़ अभयारण्य के आसपास के क्षेत्रों को संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया: भूपेंद्र यादव

नयी दिल्ली, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के आसपास शून्य से एक किलोमीटर तक फैले जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र को पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि राजस्थान में स्थित यह अभयारण्य वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध है और यहां तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा, जंगली बिल्ली, भारतीय पैंगोलिन, नीलगाय और चिंकारा जैसे जानवर पाए जाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यह पेंटेड फ्रैंकोलिन जैसी पक्षी प्रजातियों का भी घर है। मंत्री ने कहा, "ईएसजेड की घोषणा न केवल समृद्ध जैव विविधता को फलने–फूलने में मदद करेगी बल्कि इस क्षेत्र के स्वदेशी समुदायों को जैविक खेती, कृषि वानिकी जैसी पर्यावरण के अनुकूल और समुदाय–केंद्रित पहलों के साथ स्वतंत्र रूप से जीवन जीने में भी मदद करेगी।" स्वदेशी समुदायों को सतत भविष्य के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह विकास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की समृद्ध और विविध पारिस्थितिकी के सामुदायिक नेतृत्व वाले संरक्षण के प्रयासों से प्रेरित है।"

भाजपा को नयी ऊर्जा व दिशा प्रदान करेंगे नितिन नवीन : योगी

लखनऊ, फोकस न्यूज, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की और उन्हें बधाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मंगलवार को नयी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनसे मुलाकात की। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर नवीन को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा, "आपके कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शिता से पार्टी को नयी ऊर्जा और दिशा मिलेगी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूती प्राप्त होगी।" आदित्यनाथ ने अपने पोस्ट में नवीन को बधाई देते हुए लिखा, '' पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में आप अंत्योदय के पथ पर चलते हुए अपनी निष्ठा व समर्पण से संगठन को नयी ऊंचाइयां प्रदान करेंगे एवं सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं में 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को और सुदृढ़ करेंगे। आपके उज्ज्वल कार्यकाल हेतु अनंत शुभकामनाएं।''

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने अमित शाह से मुलाकात की

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने मंगलवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और दोनों ने राज्य एवं चंडीगढ़ के विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। कटारिया चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक भी हैं। गृह मंत्री के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया, ''पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया ने केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।''

अल्पमत की आवाज को सम्मान देने से सदन की सर्वश्रेष्ठता तय होती : वासुदेव देवनानी

लखनऊ, फोकस न्यूज, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सदन की सर्वश्रेष्ठता इस बात से तय होती है कि वहां अल्पमत की आवाज को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। उप्र विधानभवन में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दूसरे दिन अपने संबोधन में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि ''सदन की सर्वश्रेष्ठता इस बात से तय नहीं होती कि वहां बहुमत कितना प्रभावी है, बल्कि वह इस बात से तय होती है कि वहां अल्पमत की आवाज को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है।'' असहमति के स्वर को महत्व देने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि "जनता हमसे अपेक्षा करती है कि हम शासन के हर निर्णय की समीक्षा करें और एक एक पैसा जनकल्याण में खर्च हो, यह विधायिका की जिम्मेदारी है।" वासुदेव देवनानी ने कहा, ''लोकतंत्र का सबसे सशक्त आधार जनता का अटूट विश्वास होता है। यह विश्वास रातों रात निर्मित नहीं होता और न ही वह किसी एक चुनावी सफलता के परिणाम से परिलक्षित होता है। यह निरंतर व्यवहार, सतत संवाद और अटूट उत्तरदायित्व की परिणति है।'' देवनानी ने कहा कि ''हम सदन में बैठते हैं तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है।" उन्होंने कहा कि "जब हम जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही की बात करते हैं तो हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि विधायिका कोई स्वायत्त सत्ता केंद्र नहीं है बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अभिलाषाओं का एक दर्पण है।'' उन्होंने कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र वह है, जहां विधायिका जनता की समस्याओं को केवल सुनती नहीं, बल्कि उसे महसूस करती है। यदि सदन के बीच उठने वाली आवाजें जनता के दर्द और उसकी जरूरतों में सहायक नहीं है तो मुझे कहना पड़ेगा कि सदन केवल औपचारिक संस्था बनकर रह जाता है। देवनानी ने कहा कि जब एक विधायक सदन में किसी योजना की खामी को उजागर करता है तो वास्तव में वह अपने दायित्व को पूर्ति करते हुए शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का कार्य कर रहा होता है। उन्होंने कहा कि सदन केवल संख्या बल के आधार पर न चले बल्कि जनता के हितों को महत्व दिया जाए और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका रेफरी या अंपायर से ज्यादा संरक्षक के रूप में होती है।

आदिवासी युवाओं को शिक्षा के बाद उच्च सरकारी पदों का लक्ष्य रखना चाहिए: बागडे

जयपुर, फोकस न्यूज, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को आदिवासी युवाओं से उच्च शिक्षा हासिल करने और उच्च सरकारी सेवाओं में प्रवेश करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी समुदाय की तेज प्रगति के लिए यह जरूरी है। बागडे ने मंगलवार को यहां लोकभवन में "आदिवासी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम" के अंतर्गत ओडिशा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड आदि राज्यों से आए आदिवासी युवाओं से संवाद किया। राज्यपाल बागडे ने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और परस्पर विचार विनिमय की दृष्टि से युवा आदान प्रदान कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आदिवासी युवाओं को उच्च शिक्षा के बाद उच्च सेवाओं में जाने के लिए परीक्षाएं देने और सफल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा मन बनाकर उच्च शिक्षा, व्यवसाय और उच्च सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के प्रयास करें, इससे आदिवासी समाज तेजी से आगे बढ़ सकेगा। बागडे ने युवाओं को नशे और व्यसन से दूर रहने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति को अशक्त करता है, उससे शारीरिक और मानसिक क्षमता का नाश होता है। उन्होंने भारत की संस्कृति को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए कहा, ''विविधता होते हुए भी हमारी श्रद्धा और भक्ति एक है। भारत की संस्कृति मनों को जोड़ने वाली है।'' युवाओं ने आदिवासी संस्कृति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। राज्यपाल ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।